सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 263 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 06 जुलाई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ में भारी बारिश : दुर्ग में शिवनाथ उफान पर कुम्हारी के आगे जलभराव से रायपुर जाना मुश्किल

आपात स्थिति से निपटने एसडीआरएफ तैनात, यातायात पुलिस ने की वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में पिछले दो दिनों से जारी बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हो गया है। राजधानी रायपुर, दुर्ग भिलाई, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, बस्तर व सरगुजा सहित लगभग सभी जिलों में मानसूनी बारिश जारी है जिसके कारण नदी नाले उफान पर है। दुर्ग में शिवनाथ नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने से महमरा एनीकट के ऊपर करीब 4 फीट पानी बह रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर महमरा गांव जाने वाले मार्ग और पुलगांव स्थित छोटे पुल को आवागमन के लिए बंद कर दिया गया है। प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम पूरी तरह अलर्ट पर है।

लगातार बारिश के कारण शिवनाथ नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

सोमवार सुबह तक महमरा एनीकट के ऊपर लगभग 4 फीट पानी बहने लगा, जिससे नदी किनारे के क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। जल संसाधन विभाग के एसडीओ गौरव सिंह ने बताया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन एहतियात के तौर पर महमरा एनीकट से महमरा गांव जाने वाला मार्ग बंद कर दिया गया है। लोगों से नदी के आसपास नहीं जाने की अपील की गई है।

शिवनाथ नदी के छोटे पुल से आवागमन बंद

शिवनाथ नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण पुलगांव स्थित छोटे पुल को भी एसडीआरएफ ने आवागमन के लिए बंद कर दिया है। पुल पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि कोई भी व्यक्ति खतरे में न पड़े। प्रशासन के अनुसार फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन यदि बैराज से अतिरिक्त पानी छोड़ा जाता है तो शिवनाथ नदी का जलस्तर और बढ़ सकता है। ऐसे में तटीय क्षेत्रों के लोगों से सतर्क रहने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है। प्रशासन ने जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने का भी निर्देश दिया है।

चंदनडीह के पास जलभराव से यातायात प्रभावित

रायपुर-दुर्ग नेशनल हाईवे स्थित कुम्हारी ओवरब्रिज के समीप चंदनडीह क्षेत्र में जलभराव के कारण यातायात प्रभावित है तथा वाहनों की आवाजाही धीमी गति से हो रही है। इधर निर्माण कार्य के चलते सिरसा गेट मार्ग भी पूर्णतः बंद है, अतः इस मार्ग का उपयोग वैकल्पिक मार्ग के रूप में नहीं किया जा सकता। इसे देखते हुए दुर्ग पुलिस ने वैकल्पिक मार्ग का उपयोग कर रायपुर की ओर जाने की अपील की है। इन मार्गों में फुंडा मोतीपुर, अमलेश्वर मार्ग, कुम्हारी से रायपुर के लिए मुरमुंडा, उरला, बीरगांव मार्ग का उपयोग करने की अपील की है।

आसपास के गांवों में मुनादी, किया गया अलर्ट

लगातार बारिश व शिवनाथ के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए तटीय और आसपास के सभी गांवों में मुनादी कराकर अलर्ट जारी कर दिया गया है। नदी किनारे स्थित ईंट भट्टों के मालिकों को स्पष्ट निर्देश दे दिए गए हैं कि वे अपने मजदूरों और अन्य लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें। किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटने के लिए एसडीआरएफ दुर्ग की रेस्क्यू टीम को नगरसेना कार्यालय कैंपस में 24 घंटे अलर्ट मोड पर रिजर्व रखा गया है।

- नागेन्द्र कुमार सिंह
जिला सेनानी व अग्निशमन दुर्ग

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में गैर-मुस्लिम से निकाह पर लेनी होगी इजाजत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गैर-मुस्लिम से निकाह की प्रक्रिया को लेकर नए नियम लागू किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने निकाह व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और कथित लव जिहाद जैसे मामलों पर रोक लगाने के लिए यह पहल की है। प्रस्तावित नियम अगस्त 2026 से पूरे प्रदेश में लागू किए जाएंगे। वक्फबोर्ड के पदाधिकारियों के अनुसार, अगर कोई मुस्लिम युवक या युवती किसी गैर-मुस्लिम से निकाह करना चाहता है, तो पहले वक्फ बोर्ड से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। इसके लिए दोनों पक्षों की सहमति, आवश्यक दस्तावेज और कानूनी प्रक्रिया पूरी करनी होगी। बिना अनुमति निकाह पढ़ाने वाले मौलानाओं के खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है। इसके अलावा मौलानाओं का रजिस्ट्रेशन भी होगा।

पश्चिम बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव का एलान

नईदिल्ली। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा कर दी है। आयोग के अनुसार, इन सीटों पर 24 जुलाई 2026 को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा और उसी दिन शाम पांच बजे मतगणना भी कराई जाएगी। निर्वाचन कार्यक्रम के तहत 7 जुलाई को अधिसूचना जारी होगी, जबकि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई तय की गई है। 15 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 17 जुलाई तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे। चुनाव प्रक्रिया 27 जुलाई तक पूरी कर ली जाएगी।

रायपुर में एक्सपायरी मिल्क पाउडर पीने से नवजात की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक्सपायरी मिल्क पाउडर पीने नवजात बच्ची की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि, मेकाहारा चौक स्थित निजी मेडिकल स्टोर से मिल्क पाउडर खरीदा था। बच्ची को पिलाते ही उसकी जान चली गई। मौदहापारा थाने में लिखित शिकायत की गई है।

परिजनों का दावा है कि, जांच के दौरान डॉक्टरों ने मिल्क पाउडर के डिब्बे

पर एक्सपायरी डेट देखकर बताया कि, बच्ची की हालत एक्सपायरी मिल्क पाउडर पीने से तबीयत बिगड़ी है। इसके बाद परिजनों ने मेडिकल स्टोर पहुंचकर विरोध जताया। कर्मचारियों ने हाथ से एक्सपायरी पाउडर छीनकर दूसरा डिब्बा दे दिया।

पुलिस के मुताबिक, चंद्रशेखर कन्नोजे की पत्नी डागेश्वरी कन्नोजे ने 29 जून को जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया था। मां का दूध पर्याप्त नहीं होने पर डॉक्टर ने मिल्क पाउडर खरीदने की सलाह दी। इसके बाद 30 जून को चंद्रशेखर ने मेकाहारा गेट के पास स्थित मेडिकल स्टोर मिल्क पाउडर का डिब्बा खरीदा। आरोप है कि, दोनों बच्चियों में से एक को उसी मिल्क पाउडर से तैयार दूध पिलाया गया। 4 जुलाई को उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। गंभीर हालत में उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया। दो दिन तक इलाज के बाद नवजात बच्ची की मौत हो गई।

इस मामले में सहायक पुलिस आयुक्त दीपक मिश्रा ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद मेडिकल स्टोर संचालक को सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने का नोटिस जारी किया गया है। ष्टरूाह्र कार्यालय को मामले की जांच के लिए पत्र भेजा गया है। सभी पक्षों को नोटिस जारी कर बयान के लिए बुलाया गया है।

पार्षद के फर्जी लेटरहेड का उपयोग कर दस्तावेज बनाने वाला च्वाइस सेंटर संचालक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आजाद चौक थाना पुलिस ने पार्षद के लेटरहेड और फर्जी हस्ताक्षर का इस्तेमाल कर सरकारी दस्तावेज तैयार करने के आरोप में च्वाइस सेंटर संचालक को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान मंगल बाजार स्थित आर्यन च्वाइस सेंटर के संचालक विपिन केशरी (38) के रूप में हुई है। जांच के दौरान पुलिस ने पूछताछ में आरोपी ने पार्षद के लेटरहेड और हस्ताक्षर का फर्जी इस्तेमाल कर दस्तावेज तैयार करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपित से एक लैपटाप, कलर प्रिंटर और लेमिनेशन मशीन जब्त की है, जिनका उपयोग कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज बनाने में किया जा रहा था। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कितने फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए और इस मामले में अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं।

सीएम साय ने राजधानी को दी 112 करोड़ की सौगात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को रायपुर के समोदा में 112 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें 21 करोड़ 67 लाख रुपए के 67 कार्यों का लोकार्पण और 90 करोड़ 34 लाख रुपए लागत के 29 निर्माण कार्यों के भूमिपूजन शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन व लोक निर्माण मंत्री अरुण साव कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वन एवं पर्यावरण तथा रायपुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और सांसद बृजमोहन अग्रवाल कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आरंग क्षेत्र के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में लोक निर्माण

विभाग के 9 करोड़ 43 लाख रुपए के तीन कार्यों, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के 79 लाख रुपए के पांच कार्यों, नगर पंचायत समोदा के 6 करोड़ 67 लाख रुपए के 20 कार्यों तथा आरंग नगर पालिका में 4 करोड़ 78 लाख रुपए के 39 कार्यों का लोकार्पण किया। सीएम साय` 61 करोड़ 11 लाख रुपए लागत के 8 कार्यों, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के दो करोड़ 54 लाख रुपए के 11 कार्यों एवं समोदा नगर पंचायत के 8 करोड़ 70 लाख रुपए के 9 कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। वे स्वास्थ्य विभाग द्वारा नवा रायपुर के सेक्टर-17, कोटरा भाठा में 18 करोड़ रुपए की लागत से बनाए जा रहे 100 बिस्तर अस्पताल का भी भूमिपूजन किया।

सीएम साय ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें किया नमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महान राष्ट्रवादी चिंतक, प्रख्यात शिक्षाविद एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर सोमवार को मुख्यमंत्री निवास में उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। डॉ. मुखर्जी जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता, सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के लिए समर्पित रहा। उनके आदर्श और विचार विकसित, सशक्त एवं अखंड भारत के निर्माण की दिशा में सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी की जमानत याचिका छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से खारिज

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को राहत देने से साफ इनकार कर दिया। हालांकि, आरोपी के लंबे समय से जेल में होने के मद्देनजर जस्टिस संजय कुमार जायसवाल की एकल पीठ ने ट्रायल कोर्ट को आदेश की प्रति मिलने के चार महीने के भीतर मामले की सुनवाई तेजी से पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, घटना 9 जून 2025 की है। बलरामपुर जिला अंतर्गत रहने वाली नाबालिग पीड़िता जब पास

की नदी में नहाने गई थी, तभी झारखंड के गढ़वा जिला निवासी आरोपी मर्कुश कच्छप (35) वहां पहुंचा। वह पीड़िता को डरा-धमकाकर अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर झारखंड स्थित अपने गांव टेंगारी ले गया। आरोप है कि मर्कुश ने 9 जून से 20 जून 2025 तक पीड़िता को अपने घर में बंधक बनाकर रखा और इस दौरान उसके साथ करीब छह बार जबरन शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने 22 जून 2025 को आरोपी को गिरफ्तार किया था। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और केस डायरी का बारीकी से अवलोकन करने के बाद कहा कि मामले के तथ्यों, परिस्थितियों और आरोपी के खिलाफउपलब्ध साक्ष्यों को देखते हुए इस चरण पर जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज करते हुए ट्रायल कोर्ट को बिना किसी पूर्वाग्रह के आगामी 4 महीने में मामले का त्वरित निपटारा करने को कहा है।

तीन देशों के दौरे पर रवाना हुए पीएम मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के त्रिपक्षीय दौरे के लिए रवाना हुए। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा कि यह यात्रा भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी, महासागर विजन के साथ-साथ एक स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक्र के प्रति भारत के दृष्टिकोण को और मजबूत करेगी। उनके प्रस्थान वक्तव्य में कहा गया कि मैं 6 से 11 जुलाई 2026 तक इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की त्रिपक्षीय यात्रा पर जा रहा हूं। इंडोनेशिया गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम प्रबोवो सुबियांतो के निमंत्रण पर, मैं 6 से 8 जुलाई तक इंडोनेशिया में रहूंगा। यात्रा के दौरान भारत और इंडोनेशिया ने द्विपक्षीय संबंधों को उन्नत किया जाएगा।

संपादकीय

जीवन-रक्षक न्यायिक पहल

हटाएं सड़क किनारे पड़ी दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियां

कैसी विडंबना है कि जिस जिम्मेदार व्यवहार को शासन-प्रशासन को अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए करना चाहिए, उसकी पहल अदालत को करनी पड़ रही है। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक जरूरी नागरिक समस्या की ओर शासन-प्रशासन का ध्यान दिलाया है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है- सड़कों के किनारे छोड़े गए दुर्घटनाग्रस्त वाहन। जिनसे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। दरअसल, शिमला एयरपोर्ट तक जाने वाली सड़क और जिला अदालत के आस-पास पड़ी अनेक दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को देखकर ही अदालत ने यह बात कही। कोर्ट का कहना है कि ये दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियां सड़क सुरक्षा के लिये खतरा और पर्यावरण के लिये नुकसानदेह हैं। निस्संदेह,यह प्रशासनिक लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है। पहाड़ी राज्यों में, जहां सड़कें संकरी और घुमावदार होती हैं और लगातार भूस्खलन का खतरा बना रहता है, वहां सड़क की हर इंच जगह कीमती होती है। तार्किक ही है कि छोड़ी गई गाड़ियां सड़क की चौड़ाई को कम कर देती हैं। वहीं दूसरी ओर तीव्र मोड़ों पर देखने में बाधा डालती हैं। ये आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही में भी बाधक बनती हैं। निस्संदेह, इससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। विशेष रूप से बरसात के मौसम में जब फिसलन भरी सड़कों और कम दृश्यता के कारण वाहन चालक पहले ही ड्राइविंग में मुश्किलों का सामना कर रहे होते हैं। ऐसे में सड़कों को कबाड़खाने में तब्दील करने की इजाजत किसी भी कीमत पर नहीं दी जा सकती।

> “ दरअसल, शिमला एयरपोर्ट तक जाने वाली सड़क और जिला अदालत के आस-पास पड़ी अनेक दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को देखकर ही अदालत ने यह बात कही। कोर्ट का कहना है कि ये दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियां सड़क सुरक्षा के लिये खतरा और पर्यावरण के लिये नुकसानदेह हैं। निस्संदेह,यह प्रशासनिक लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है। पहाड़ी राज्यों में, जहां सड़कें संकरी और घुमावदार होती हैं और लगातार भूस्खलन का खतरा बना रहता है, वहां सड़क की हर इंच जगह कीमती होती है। तार्किक ही है कि छोड़ी गई गाड़ियां सड़क की चौड़ाई को कम कर देती हैं। वहीं दूसरी ओर तीव्र मोड़ों पर देखने में बाधा डालती हैं। ये आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही में भी बाधक बनती हैं। निस्संदेह, इससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। विशेष रूप से बरसात के मौसम में जब फिसलन भरी सड़कों और कम दृश्यता के कारण वाहन चालक पहले ही ड्राइविंग में मुश्किलों का सामना कर रहे होते हैं।

दूसरी तरफ इन दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव की भी अनदेखी नहीं की जा सकती। इनका पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव भी एक गंभीर समस्या है। क्षतिग्रस्त वाहनों से अक्सर ईंधन, इंजन ऑयल,कूलेंट, ब्रेक फ्लूइड तथा बैटरी एसिड रिसता रहता है। जिससे मिट्टी तथा जल-स्रोत प्रदूषित हो सकते हैं। हिमालय पर्वत शृंखलाओं जैसे पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में इस तरह के प्रदूषण के दूरगामी घातक प्रभाव हो सकते हैं। निश्चित रूप से पुलिस, परिवहन विभाग, नगर निकायों, बीमा कंपनियों और न्यायपालिका के बीच तालमेल न होने के कारण ही समस्या जटिल बनी हुई है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के संबंध में जांच लंबित होने, बीमा संबंधी विवादों और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के लिये निर्धारित जगह न होने से यह समस्या जटिल बनी हुई है। इन सभी कारणों से ये दुर्घटनाग्रस्त वाहन सड़कों के किनारे यूं ही पड़े रहते हैं। यही वजह है कि हाईकोर्ट ने समस्या के निदान के लिये एक कारगर एक्शन प्लान की मांग की है। जिसमें जब्त वाहनों के लिये खास यार्ड बनाने, डिजिटल तरीके से पड़ताल, जब्त वाहनों को छोड़ने के लिये समयबद्ध प्रक्रिया और स्क्रैपिंग सेंटरों के जरिये वैज्ञानिक तरीके से रीसाइक्लिंग की सख्त जरूरत है। देश की शीर्ष अदालत ने भी बार-बार कहा है कि जब्त गाड़ियों को अनिश्चित समय के लिये सड़कों पर सड़ने के लिये नहीं छोड़ा जा सकता। सड़क सुरक्षा के मायने सिर्फ ट्रैफिक नियमों को लागू करवाना या संरचना को बेहतर बनाना ही नहीं है। वास्तव में लोगों की जान बचाने के लिये दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सार्वजनिक स्थानों से हटाना भी एक बुनियादी प्रशासनिक जिम्मेदारी है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्र प्रथम का अमर संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

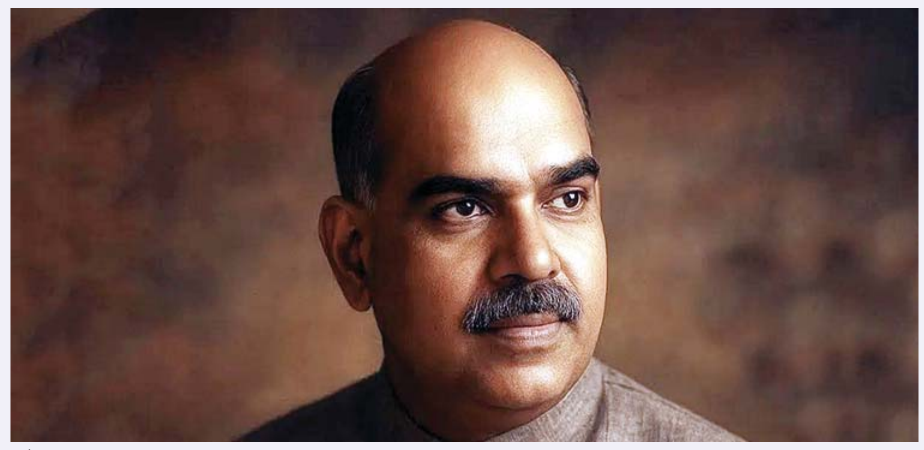

आज, 6 जुलाई का दिन राष्ट्रवाद और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखने वाले करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत ही विशेष है। आज हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म-जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। आधुनिक भारत के कुछ ही नेताओं में इतने सारे गुण एक साथ देखने को मिलते हैं।

श्यामा प्रसाद जी का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में होती थी। लेकिन तमाम सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद जी ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना। उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे अपने समय की इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। इस सफर में उन्हें कई गहरे व्यक्तिगत दुख भी झेलने पड़े। पहले उन्होंने अपने छोटे बच्चे को खोया और बाद में पत्नी का भी निधन हो गया। लेकिन इन दुखद परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने हौसले को कमजोर नहीं पड़ने दिया। उनका संकल्प और सशक्त हुआ, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और गहरा होता गया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना था। देश के विभाजन के समय उन्होंने पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुछ वर्षों बाद इसी उद्देश्य से उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भी संघर्ष किया। जेल और नजरबंदी भी उन्हें रास्ते से डिगा नहीं सकी। जब नजरबंदी के दौरान उनका निधन हुआ, तब वे उन अनगिनत लोगों से बहुत दूर थे, जिनके लिए वे जीवनभर संघर्ष करते रहे। इतिहास में कुछ ऐसे पल आते हैं, जब किसी व्यक्ति का सर्वोच्च बलिदान राजनीति से ऊपर उठकर देश की स्मृति का हिस्सा बन जाता है। डॉ. मुखर्जी का बलिदान भी ऐसा ही था। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि डॉ. मुखर्जी ने उस उद्देश्य के लिए अपना बलिदान दिया, जिस पर उन्हें पूरा विश्वास था। दशकों बाद, साल 2019 में आर्टिकल 370 और 35 को हटाया जाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि थी। डॉ. मुखर्जी ने हमेशा राष्ट्रहित और भारतीय मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसके लिए उन्होंने मजबूत संस्थानों का निर्माण किया और ऐसी व्यवस्थाएं बनाईं, जो उस समय की सोच से काफी आगे थीं। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में ऐसे बदलाव किए, जो राष्ट्रहित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप थे। शिक्षाविदों के एक सम्मेलन में डॉ. मुखर्जी ने कहा था, ''शिक्षण संस्थानों को केवल बाबू या कम वेतन वाले कर्मचारी तैयार करने की फैक्ट्री समझना गलत है। हमें विद्यार्थियों को ऐसे तैयार करना होगा ताकि वे नेतृत्व की भूमिका निभा सकें। हमारी स्वशासी संस्थाओं जैसे म्युनिसिपल कॉरपोरेशन्स, प्रांतीय और केंद्रीय विधायिकाओं में बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हो सकें। इसके साथ ही वे वित्त, व्यापार और उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा दिखा सकें।''

कलकत्ता विश्वविद्यालय में अपने नेतृत्व में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्य किए। इनमें लाइब्रेरी की सुविधाओं में सुधार, विज्ञान में रिसर्च को बढ़ावा देना, ऐतिहासिक वस्तुओं के अध्ययन को प्रोत्साहित करना और कृषि से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू करना शामिल था। उन्होंने खेलकूद, टीचर्स ट्रेनिंग और स्टूडेंट वेलफेयर जैसे क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया। विद्यार्थियों में अपनी यूनिवर्सिटी के प्रति गर्व की भावना विकसित हो, इसके लिए उन्होंने 24 जनवरी को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाने की परंपरा शुरू की। उन्होंने गुरुदेव टैगोर से विश्वविद्यालय के लिए एक गीत लिखने का अनुरोध भी किया था।

उनके जीवन के बाद के वर्षों में इस भावना का एक और उदाहरण तब देखने को मिला, जब उन्होंने भारतीय जनसंघ बनाने का निर्णय लिया। उस समय देश में हर तरफ कांग्रेस पार्टी का ही बोलबाला था। ऐसे में उन्होंने महसूस किया कि देश को एक ऐसे नए विकल्प की बहुत जरूरत है, जो भारत की प्रगति की बात भी करे और हमारी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़ा रहे। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए पार्टी का चुनाव चिह्न 'दीपक' यानि मिट्टी का दीया रखा गया। एक अकेला दीया देखने में भले ही छोटा लगे, लेकिन उसमें अपने आस-पास के गहरे से गहरे अंधकार को मिटाने की अद्भुत शक्ति होती है। जनसंघ ने अपने सक्रिय काल में और उसके बाद भी बिल्कुल यही किया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्यकाल बेहद अहम रहा। उन्हें एक ऐसे राजनेता के रूप में याद किया जाता है, जिनका विजन बहुत विराट था। वे उद्योग को नए-नए आजाद हुए भारत के लोगों में सम्मान, अवसर और आत्मविश्वास का संचार करने का सशक्त माध्यम मानते थे। वे वेल्थ और वैल्यू क्रिएशन के महत्व को भली-भांति समझते थे। उन्होंने दामोदर वैली कॉरपोरेशन, सिंदरी उर्वरक संयंत्र और मजबूत औद्योगिक नीति जैसी ऐतिहासिक पहल की। इसके माध्यम से आधुनिक औद्योगिक भारत की नींव रखी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि भारत के पारंपरिक सामर्थ्य की कभी उपेक्षा न हो। वे हथकरघा, कुटीर उद्योग, कारीगरों और कपड़ा उद्योग से जुड़े श्रमिकों के हितों के भी प्रबल समर्थक थे।

यहां मैं अपना एक निजी अनुभव भी साझा करना चाहता हूं। आत्मनिर्भर भारत के स्पष्ट विजन के साथ जिस सिंदरी संयंत्र की स्थापना के लिए डॉ. मुखर्जी ने अथक प्रयास किए थे, उसकी कई दशकों तक सत्ता में रहने वाले लोगों ने घोर उपेक्षा की। मुझे इस बात का संतोष है कि हमारी सरकार को उसके पुनरुद्धार का सौभाग्य मिला। उस कार्यक्रम में उपस्थित होना मेरे सार्वजनिक जीवन के सबसे विशेष और अविस्मरणीय क्षणों में से एक बन गया।

भारत की प्राचीन परंपरा सदियों से संवाद और विचार-विमर्श का सम्मान करती आई है। डॉ. मुखर्जी इस लोकतांत्रिक भावना के सशक्त प्रतीक थे। उन्होंने पंडित नेहरू के मंत्रिमंडल में शामिल होना इसलिए स्वीकार किया, क्योंकि वे मानते थे कि देश की आजादी के शुरुआती वर्षों में राष्ट्र निर्माण का दायित्व राजनीतिक मतभेदों से कहीं ऊपर है। उन्होंने पूरी निष्ठा और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाया। लेकिन जब उन्हें लगा कि राष्ट्रीय महत्व के कुछ प्रश्नों पर देशहित में अलग मार्ग अपनाना आवश्यक है, तो उन्होंने पूरी गरिमा के साथ अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद उन्होंने अपना पूरा जीवन उस राजनीतिक लक्ष्य को हासिल करने के लिए समर्पित कर दिया, जिसे वे राष्ट्र के लिए आवश्यक मानते थे।

75 वर्ष पहले पंडित नेहरू पहला संविधान संशोधन लेकर आए। इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर सीधा प्रहार माना गया। तब डॉ. मुखर्जी इसके सबसे मुखर आलोचक रहे थे। वे भली-भांति समझ चुके थे कि कांग्रेस किस हद तक जा सकती है। समय के साथ उनकी यह आशंका सही साबित हुई। जो पार्टी 75 वर्ष पहले पहला संविधान संशोधन लेकर आई थी, उसी ने 1975 में देश पर आपातकाल थोपा। इतना ही नहीं, 50 वर्ष पहले 42वां संविधान संशोधन अधिनियम लाकर एक बार फिर लोकतांत्रिक मूल्यों की बुनियाद पर कुठाराघात किया।

डॉ. मुखर्जी अपनी मानवीय संवेदनाओं और सेवाभाव के लिए भी विशेष रूप से जाने जाते हैं। वर्ष 1943 में जब बंगाल भीषण अकाल की त्रासदी से जूझ रहा था, तब उन्होंने पीड़ितों की सेवा में स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर दिया था। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि लोगों को भोजन मिल सके, जिसके लिए कई कैंटीन और रिलीफ सेंटर शुरू किए गए। एक ओर वे लोगों की पीड़ा से बहुत व्यथित थे, वहीं दूसरी ओर ब्रिटिश हुकूमत की असंवेदनशीलता से अत्यंत आक्रोशित भी थे। उन्होंने अपनी पीड़ा को व्यक्त करने के लिए पंचाशेर मन्वंतर नाम की एक किताब भी लिखी। 1942 में जब मेदिनीपुर में भीषण चक्रवात आया, तब उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों का नेतृत्व किया।

कोलकाता के एक कॉलेज में युवाओं को संबोधित करते हुए डॉ. मुखर्जी ने उनसे आग्रह किया था, ''आप जो भी कार्य करें, उसे पूरी गंभीरता, लगन और ईमानदारी से करें। किसी भी काम को कभी अधूरा न छोड़ें। तब तक स्वयं को संतुष्ट न मानें, जब तक आपने उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान न दे दिया हो।'' आज हमारा देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम प्रतिदिन उस भारत के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयास करें, जिसकी उन्होंने परिकल्पना की थी। एक ऐसा भारत जो सशक्त हो, एकजुट हो, आत्मविश्वास से भरपूर और संवेदनशील हो। देश के युवाओं पर मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए बढ़-चढ़कर भागीदारी करेंगे और इस संकल्प को साकार करने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जुट जाएंगे।

बच्चों को ऐसी दुनिया से बचाइए, जो काम से ज्यादा दिखावे को महत्व देती है

एन. रघुरामन

हमारे बच्चे और टीनेजर्स आज जितनी बड़ी संख्या में भावनात्मक तनावों का सामना कर रहे हैं, उनसे पार पाना मुश्किल लग सकता है। इनमें नींद की कमी, एकेडमिक प्रेशर और अकेलापन जैसी चीजें शामिल हैं। लेकिन दुनिया में जिस समस्या का इलाज करा रहे युवाओं की संख्या बढ़ रही है, वह है- एंग्जायटी। और यही पैरेंट्स की भी सबसे बड़ी चिंता है।

एंग्जायटी से जूझ रहे बच्चे अकसर चीजों से बचते हैं, अलगाव का अत्यधिक भय दिखाते हैं या चिपके रहते हैं। बार-बार पेटदर्द जैसी परेशानियों की शिकायत करते हैं, जिनका कोई स्पष्ट कारण नहीं होता। अचानक गुस्सा हो जाते हैं। आमतौर पर ऐसे बच्चे बार-बार भरोसा मांगते हैं। इस बारे में बहुत-से विशेषज्ञों की सलाह का कलेक्शन यहां पेश है।

इन्टेंसिव पैरेंटिंग बंद करें: हम 'हेलीकॉप्टर पैरेंटिंग' के दौर में जी रहे हैं, जहां पैरेंट हमेशा बच्चे पर नजर रखते हैं। संस्कृति हम पर दबाव डाल रही है कि अच्छे पैरेंट्स बच्चे के जीवन में संघर्ष आने ही नहीं देते। ऐसी पैरेंटिंग का एक कारण सुरक्षा चिंताएं भी हो सकती हैं। हाल ही में एक छोटे बच्चे के शारीरिक उत्पीड़न का वीडियो वायरल होने के बाद बेंगलुरु के ब्रूकफील्ड स्थित कैपजेमिनी के एचएएल कैंपस की क्रेच के दो केयरगिवर्स को गिरफ्तार किया गया। लेकिन दुर्भाग्य से पैरेंट्स जितनी 'ओवर पैरेंटिंग' करते हैं, बच्चा उतना ही कम क्षमतावान हो जाता है। 3 साल का बच्चा भी कठिन कार्य कर सकता है: मैंने देखा है कि बच्चों के लिए म्यूजिक या डांस की पहली क्लास डरावनी होती है। वे रोते हैं और मां को छोड़कर दूसरे किसी ग्रूप में जाने से इनकार करते हैं। लेकिन उन मांओं को भरोसा होता है कि बच्चा यह कर सकता है। उनमें से ज्यादातर कहती हैं कि 'अभी यह मुश्किल लग रहा है, क्योंकि तुमने पहले कभी नहीं किया। लेकिन मम्मा जानती है कि तुम कर सकते हो।' ये सुनते ही बच्चे तुरंत डांस नहीं करने लगते। बल्कि, कई हफ्तों तक क्लासरूम के दरवाजे पर खड़े रहते हैं। फिर धीरे-धीरे शांत होकर क्लास जॉइन कर लेते हैं। यही नियम तब भी लागू होता है, जब वे स्कूल जाने से मना करते हैं।

भावनाएं तथ्य नहीं होतीं: जब बच्चा परेशान हो तो पैरेंट के तौर पर आपको भी परेशान नहीं होना चाहिए। जब आप प्यार से कहते हैं, 'ओह, क्या तुम्हें यह काम करने में बुरा लग रहा है' तो बच्चे की एंग्जायटी और बढ़ती है। उन्हें 'असहज और असुरक्षित' महसूस होता है, जिससे उनके मन में भावना आती है कि 'मैं यह नहीं कर सकता' या 'यह मेरे लिए नहीं है।' इसलिए हमेशा भावनाओं और तथ्यों में फर्क करने का प्रयास करें।

एकेडमिक प्रेशर दुश्मन है: बहुत से लोग मानते हैं कि किसी भी स्कूल में नंबर ही सबसे कीमती हैं। बच्चों से ज्यादा पैरेंट्स उनके नंबरों में रुचि लेते हैं और इसीलिए वे उनके होमवर्क को भी बारीकी से प्रबंधित करने लगते हैं। यदि आप होमवर्क में दखल देना बंद करें तो बच्चे ज्यादा मोटिवेटेड और एंगेज्ड महसूस करेंगे। बच्चों की पढ़ाई में पैरेंट्स को खुद ही मुख्य कर्ता-धर्ता बनने के बजाय सपोर्टिव रोल निभाना चाहिए।

अकेलापन बड़ी समस्या है: खराब मानसिक स्वास्थ्य का मुख्य कारण यही है। बच्चों के दोस्तों को घर बुलाकर इससे निपटने में उनकी मदद करें। स्क्रीन से कनेक्ट होने के बजाय उन्हें दोस्तों से जुड़ने दें। चूंकि बच्चों को ऊर्जा खर्च करने की जरूरत होती है, इसलिए उन्हें स्पोर्ट्स, क्लाइम्बिंग, टहलने, मार्शल आर्ट्स, डांस, साइक्लिंग और एक्सरसाइज के लिए प्रेरित करें। स्क्रीन कभी ऐसे अनुभव नहीं दे सकती। ये तनाव घटाने, साहस विकसित करने और असहजता को सहन कर सकने के शारीरिक तरीके हैं। आप देखेंगे कि उनकी काबिलियत बढ़ रही है। उनसे लगातार बात करते रहिए। मसलन, कॉलोनी के आसपास टहलते हुए उन्हें बताइए कि आपके बचपन में इस इलाके में कितने पेड़ होते थे। कैसे आप उन पर चढ़ते थे और उनके नाम क्या थे। उन्हें अपने बचपन के किस्से भी सुनाएं।

फंडा यह है कि अपने बच्चों को ऐसी दुनिया से बचाइए, जो काम से ज्यादा दिखावे को महत्व देती है। उन्हें कन्ज्यूमिंग, स्क्रॉलिंग या सिर्फ सफलता की बातें करने के बजाय कुछ करने, बनाने और समस्याएं सुलझाने का महत्व बताइए। भविष्य में महज देखने या बातचीत करने वालों की तुलना में हमेशा वो लोग आगे रहेंगे, जो कुछ करते हैं।

संघर्षों से निखरी एक बुलंद आवाज का खामोश होना

डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू

पुण्य स्मरण : तीजन बाई

तीजन बाई का कार्यक्रम केवल गायन नहीं होता था वह एक जीवंत अनुभव होता था। वे जैसे ही तंबूरा हाथ में लेकर मंच पर आतीं, वातावरण बदल जाता। कुछ ही क्षणों में वे स्वयं भीम बन जातीं। अगले ही पल अर्जुन की मुद्रा में दिखाई देतीं। फिर द्रौपदी की पीड़ा उनके चेहरे पर उतर आती।

पंडवानी को लोकनृत्य एवं लोकशैली में अमर कर देने वाली महान गायिका तीजन बाई अब हमारे बीच नहीं रही हैं। तीजन बाई ने अपने अदम्य संघर्ष से अपनी पहचान बनाई। कुछ आवाज़ें पीढ़ियों की स्मृतियों में घर कर जाती हैं। वे कालांतर में लोकजीवन की चेतना का हिस्सा बन जाती हैं। ऐसा लगता है जैसे छत्तीसगढ़ की धरती पर सदियों से गूंजती महाभारत की कथा आज अचानक ठहर-सी गई हो। लेकिन तीजन अब अपनी आवाज़, अपने अभिनय और अपने संघर्ष की प्रेरक गाथा में सदैव जीवित रहेंगी।

लोक-संस्कृति का इतिहास जब भी लिखा जाएगा, तीजन बाई का नाम केवल एक लोकगायिका के रूप में नहीं, बल्कि उस स्त्री के रूप में दर्ज होगा, जिसने सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती देकर यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता और साधना का कोई विकल्प नहीं होता।

तीजन बाई ने महाभारत के प्रसंगों में भारतीय सत्यता की संस्कृति को जिया। मंच पर उनके संवादों में जो चमक थी वह सचमुच सीधे हृदय में पहुंचती थी। उनकी इस अदायगी को मंच से दूरदर्शन के लिए रिकॉर्ड करते हुए लगता था कि यह एक अद्भुत पल है। जिस बिंदास अंदाज में वह पंडवानी को गाती थीं वह उनके लिए ही संभव है। वह एक बिंदास और जीवट वाली महिला थी, जिसने अपने संघर्ष की शर्तों

पर जीवन को जिया। वह कहती थी जियो तो अपने से जियो, गांव के गंवारपन में खुले मन से जियो और यही जीने का एक तरीका है।

पारिवारिक परंपरा में तीजन ने 13 साल की उम्र में पहला सार्वजनिक मंच प्रदर्शन किया था। भिलाई के समीप गनियारी गांव में जन्मी तीजन बाई के पिता हुनुकलाल परधा और माता सुखवती थीं। बचपन में वे अपने नाना ब्रजलाल से महाभारत की कथाएं सुनती थीं। यही संस्कार आगे चलकर उनके जीवन का आधार बने। उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए उमेद सिंह देशमुख ने उन्हें मार्गदर्शन दिया।

तीजन का बचपन अभावों में बीता। बचपन का अधिकांश समय श्रम, संघर्ष और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच बीता। किंतु इन्हीं कठिन परिस्थितियों में उनके भीतर लोककला का बीज अंकुरित हुआ। उनके नाना महाभारत और पंडवानी की कथाएं गाया करते थे। छोटी-सी तीजन मंत्रमुग्ध होकर उन्हें सुनतीं। वे हर पात्र को अपने भीतर जीने लगती थीं। शायद उसी समय नियति ने तय कर लिया था कि वह एक दिन स्वयं महाभारत की जीवित आवाज़ बनेंगी।

उस दौर में पंडवानी की 'कापालिक शैली', जिसमें कलाकार खड़े होकर अभिनय के साथ कथा प्रस्तुत करता है, लगभग पूरी तरह पुरुषों का क्षेत्र मानी जाती थी। महिलाओं को सीमित भूमिका दी जाती थी। लेकिन तीजन बाई ने परंपरा की इस दीवार को तोड़ दिया।

उस समय तीजन बाई के लिए यह साहस आसान नहीं था। उन्हें समाज की आलोचना झेलनी पड़ी। रूढ़िवादी सोच ने उनका विरोध किया। लेकिन जिन लोगों के भीतर कला की साधना होती है, वे अपमान को भी अपनी शक्ति बना लेते हैं।

तीजन की यात्रा किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं थी। छोटे-छोटे गांवों की चौपालों से लेकर मेलों तक, फिर जिला स्तरीय आयोजनों से राष्ट्रीय मंचों तक और वहां से दुनिया के बड़े-बड़े सांस्कृतिक समारोहों तक—हर पड़ाव उन्होंने अपनी मेहनत से अर्जित किया। उनके पास न कोई बड़ा गुरु-तंत्र था, न संसाधन, न प्रचार। उनके पास केवल एक सशक्त आवाज़, अद्भुत स्मरणशक्ति, मंच पर अभिनय की विलक्षण क्षमता और अपनी लोकपरंपरा के प्रति अटूट आस्था थी।

तीजन बाई का कार्यक्रम केवल गायन नहीं होता था वह एक जीवंत अनुभव होता था। वे जैसे ही तंबूरा हाथ में लेकर मंच पर आतीं, वातावरण बदल जाता। कुछ ही क्षणों में वे स्वयं भीम बन जातीं। अगले ही पल अर्जुन की मुद्रा में दिखाई देतीं। फिर द्रौपदी की पीड़ा उनके चेहरे पर उतर आती और कुछ ही क्षणों बाद श्रीकृष्ण की मुस्कान और नीति उनके स्वर में गूंज उठती। उनका तंबूरा कभी गदा बन जाता, कभी धनुष और कभी युद्ध का प्रतीक। दर्शक भूल जाते कि वे किसी कलाकार को देख रहे हैं; उन्हें लगता कि स्वयं महाभारत उनके सामने घटित हो रहा है।

धीरे-धीरे देश की सांस्कृतिक संस्थाओं ने उन्हें अपनाया और फिर अंतर्राष्ट्रीय मंचों के द्वार खुलते चले गए। उनकी साधना को देश ने सर्वोच्च सम्मान दिए। पद्मश्री, पद्मभूषण और पद्म विभूषण से सम्मानित होना किसी भी कलाकार के लिए गौरव की बात है। लेकिन इन सम्मानों से कहीं अधिक बड़ा सम्मान उन्हें जनता ने दिया। आज वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज़ अब भी हवा में तैर रही है। लगता है जैसे कहीं दूर से फिर वही स्वर सुनाई दे रहा हो—महाभारत का कोई प्रसंग, भीम की हुंकार, कृष्ण की वाणी और लोकजीवन की अनंत धड़कन।

लेखक दूरदर्शन के उप महानिदेशक रहे हैं।

मेघों के शुभागमन की प्रतीक्षा

अम्बर सुनाए गीत, रवि
रश्मि बनी मीत,
मौसम बहार लिए,
आई पुरवाई रे।

बादलों की छाया देख,
'सुषमा' सुहानी रेख,
तपन है मंद पड़ा,
गर्मी घबराई रे।

मौसम ने यहाँ-वहाँ, नव
रूप लिया जहाँ,
प्रेममयी हुई धरा,
चूनर सजाई रे ।

तरु पात झूम रहे, हवाओं
को चूम रहे,
डाल पर पंछियाँ भी,
लेतीं अँगड़ाई रे ॥(1)

अमराई महकेंगी, चिड़ियाँ
भी चहकेंगी
कोयल की मीठी वाणी,
हृदय लुभाई रे।

कृषकों में हर्ष छाया,
खुशियों का दौर आया,
नर-नारी मिल गाते,
मंगल बधाई रे।

वसुधा प्रतीक्षा करे, निर्झर
भी स्वर भरे,
अम्बर से नेह भरी,
फुहार बुलाई रे।

बरसे कृपा के मेघ, मिट
जाए सारे क्लेश,
वनाँचल ताक रहे,
पीर है समाई रे ॥(2)

**कवयित्री सुषमा प्रेम पटेल,
रायपुर छ. ग.**

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

पद्मविभूषण तीजन का गनियारी में राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति को विश्व पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाने वाली विश्वविख्यात पंडवानी गायिका एवं पद्म विभूषण से सम्मानित डॉ. तीजन बाई को रविवार को उनके पैतृक गांव गनियारी में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। राज्य शासन के निर्णय के अनुरूप पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कलाकारों, साहित्यकारों तथा हजारों श्रद्धालुओं ने नम आंखों से लोककला की इस महान विभूति को अंतिम प्रणाम किया। डॉ. तीजन बाई के निधन से न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश के कला एवं सांस्कृतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई। उन्होंने अपने अद्वितीय गायन, प्रभावशाली अभिनय और ओजपूर्ण प्रस्तुति के माध्यम से पंडवानी जैसी लोककला को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाया। महाभारत की कथाओं को जीवंत शैली में प्रस्तुत करने की उनकी विलक्षण कला ने देश-विदेश के असंख्य दर्शकों को भारतीय लोकसंस्कृति से जोड़ने का कार्य किया।

ग्रामीण परिवेश से निकलकर विश्व मंच तक पहुंचने का उनका सफर संघर्ष, साधना और समर्पण का अनुपम उदाहरण है। अनेक सामाजिक एवं आर्थिक चुनौतियों का सामना करते हुए उन्होंने अपनी प्रतिभा के बल पर ऐसी पहचान बनाई, जिसने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेंगी। भारतीय लोककला में उनके अप्रतिम योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण और देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण सहित अनेक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से अलंकृत किया गया। वे भारतीय लोक परंपरा की ऐसी प्रतिनिधि थीं, जिन्होंने अपनी कला के माध्यम से देश की सांस्कृतिक अस्मिता को विश्वभर में गौरवान्वित किया।

राज्य शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप उनके अंतिम संस्कार के अवसर पर राजकीय सम्मान की सभी औपचारिकताएं पूर्ण की गईं। गनियारी गांव में आयोजित अंतिम संस्कार में उपस्थित जनसमूह ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी अमूल्य सांस्कृतिक विरासत को सदैव जीवित रखने का संकल्प व्यक्त किया। डॉ. तीजन बाई का निधन भारतीय लोककला के एक स्वर्णिम युग का अवसान है, किंतु उनकी स्वर-साधना, पंडवानी की समृद्ध परंपरा और लोकसंस्कृति के संरक्षण के लिए उनका आजीवन समर्पण सदैव अमर रहेगा। उनकी अनुपम कला, ओजस्वी व्यक्तित्व और सांस्कृतिक विरासत आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करती रहेगी।

कलाकारों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

पद्मविभूषण तीजन बाई की मृत्यु पर ललित कला अकादमी छत्तीसगढ़ समूह से जुड़े हुए कलाकारों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। सुप्रसिद्ध मूर्तिकार ललित कला अकादमी, नई दिल्ली के बोर्ड मेंबर एवं राज्य कमेटी के चेयरमैन डॉ. अंकुश देवांगन ने इसे अपूरणीय क्षति बताते हुए एक युग का अंत कहा है। श्रद्धांजलि सभा के दौरान डॉ. अंकुश देवांगन के साथ प्रकाश चौधरी, संजना मानिकपुरी, श्रीमती हेमावंती कुमार एवं कृष्णा मूर्ति विशेष रूप से मौजूद थे। छत्तीसगढ़ी कलाजगत के प्रख्यात मॉडर्न आर्ट चित्रकार डी.एस. विद्यार्थी ने छत्तीसगढ़ को अपनी वैश्विक पहचान खो देने का दर्द बताया है। वहीं ललित कला समूह से सुप्रसिद्ध चित्रकार हरीसेन, रोहिणी पाटणकर, मशहूर रंगकर्मी विभाष उपाध्याय, आचार्य महेशचंद्र शर्मा, सहित आदि लोगो ने श्रद्धांजलि दी।

वैशाली नगर के अत्याधुनिक ऑडिटोरियम का नाम पद्म विभूषण तीजन बाई के नाम पर हो : रिकेश सेन

भिलाई। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को विश्व मंच पर अमिट पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण एवं सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका तीजन बाई के निधन पर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।

उन्होंने कहा कि तीजन बाई केवल एक लोक कलाकार नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता की जीवंत पहचान थीं। उनका स्वर भले ही आज शांत हो गया हो, लेकिन उनकी पंडवानी की गूंज सदियों तक जनमानस को प्रेरित करती रहेगी।

इस अवसर पर विधायक रिकेश सेन ने तीजन बाई की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में स्वीकृत एक हजार सीटर अत्याधुनिक ऑडिटोरियम का नाम 'पद्म विभूषण तीजन बाई ऑडिटोरियम' रखा जाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनकी महान कला, संघर्ष और सांस्कृतिक योगदान से प्रेरणा ले सकें।

विधायक ने बताया कि इस संबंध में वे शीघ्र ही दुर्ग जिला कलेक्टर एवं नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त को औपचारिक पत्र लिखकर ऑडिटोरियम का नाम तीजन बाई के नाम पर रखने का आग्रह करेंगे।

उन्होंने कहा कि तीजन बाई ने पंडवानी को गांव की चौपाल से उठाकर विश्व के प्रतिष्ठित मंचों तक पहुंचाया। ऐसे महान व्यक्तित्व के सम्मान में यदि हमारी नई सांस्कृतिक धरोहर उनके नाम से जानी जाए, तो यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय होगा।

डॉ. तीजन बाई के नाम पर होगा गनियारी के शासकीय स्कूल का नामकरण : गजेन्द्र यादव

भिलाई। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने रविवार को विश्वविख्यात पंडवानी गायिका, पद्मविभूषण से सम्मानित एवं छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की अप्रतिम धरोहर डॉ. तीजन बाई के गृहग्राम गनियारी स्थित निवास पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत वे उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए तथा दाह संस्कार कार्यक्रम तक उपस्थित रहकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने घोषणा किया कि उनके गृहग्राम गनियारी स्थित शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी स्कूल का नामकरण डॉ. तीजन बाई शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी विद्यालय, गनियारी के नाम से किया जाएगा।

शिक्षा मंत्री यादव ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने अपनी अद्वितीय कला-साधना, ओजस्वी वाणी और आजीवन समर्पण के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई। उनका निधन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना के एक स्वर्णिम अध्याय का अवसान है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोकाकुल परिजनों एवं असंख्य प्रशंसकों को इस दुःख की घड़ी में संबल देने की प्रार्थना की।

मंत्री यादव ने कहा कि डॉ. तीजन बाई का संपूर्ण जीवन लोकपरंपराओं, संस्कृति और कला के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए समर्पित रहा। उनकी कला साधना, संघर्ष और उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेंगी। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को विश्व पटल पर स्थापित करने में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने डॉ. तीजन बाई के सम्मान में उनके गृहग्राम गनियारी स्थित शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी स्कूल का नामकरण डॉ. तीजन बाई शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी विद्यालय, गनियारी के नाम से किया जाएगा। राज्य सरकार का यह निर्णय महान लोककलाकार के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगा।

प्रमुख खबरें

मनीष पांडेय ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन, सुख-समृद्धि की कामना

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता एवं श्रीराम जन्मोत्सव समिति युवा विंग, भिलाई के अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने 10 श्रद्धालुओं के दल के साथ पवित्र श्री अमरनाथ यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण कर बाबा बर्फानी के दर्शन किए। लगभग दो दिनों तक चली 36 किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी करने के बाद श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर भिलाई सहित समस्त छत्तीसगढ़वासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। पाण्डेय ने बताया कि अमरनाथ यात्रा आस्था, विश्वास और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम है। कठिन चढ़ाई और चुनौतीपूर्ण मार्ग के बावजूद बाबा बर्फानी के दर्शन का अनुभव अविस्मरणीय रहा। यात्रा के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं से आत्मीय मुलाकात हुई और सभी में भगवान शिव के प्रति अटूट श्रद्धा एवं उत्साह देखने को मिला।

मार्शल आर्ट अनुशासन और आत्मरक्षा सिखाता है : ललित चंद्राकर

भिलाई। बोरसी सांस्कृतिक भवन में जिला स्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से विधायक ललित चंद्राकर ने शामिल होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। विधायक चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' अभियान को साकार करने के लिए छत्तीसगढ़ में खेलों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। ताइक्वांडो जैसे मार्शल आर्ट न केवल शारीरिक मजबूती देते हैं बल्कि अनुशासन, आत्मरक्षा और आत्मविश्वास भी सिखाते हैं। मुझे गर्व है कि हमारे जिले के युवा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर रहे हैं। सरकार और जिला प्रशासन खिलाड़ियों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं। इस अवसर पर जिला ताइक्वांडो संघ के पदाधिकारी, प्रशिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपेगा कर्मचारी संघ

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ, दुर्ग ने दो प्रतिशत महंगाई भत्ता समेत छह सूत्रीय मांगों पर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सांसदों और विधायकों के माध्यम से सौंपने का निर्णय लिया है। संघ के अनुसार यह ज्ञापन 7 से 11 जुलाई के बीच जनप्रतिनिधियों के निवास पर या उनके प्रवास के दौरान दिया जाएगा।

डॉ. खूबचंद बघेल, कृषक रत्न पुरस्कार हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई

दुर्ग। छत्तीसगढ शासन द्वारा कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों का प्रोत्साहित करने एवं सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष डॉ. खूबचंद बघेल, कृषक रत्न पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस वर्ष 2026 का पुरस्कार वितरण राज्य स्थापना दिवस, 01 नवम्बर 2026 को आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में किया जाएगा। इस संबंध में कृषकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसकी अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है।

संयुक्त संचालक कृषि से प्राप्त जानकारी अनुसार इच्छुक कृषक जो खेती में नवाचार, जैविक कृषि, उत्पादन में वृद्धि, कृषि यात्रिकीकरण या जल संरक्षण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं, वे इस पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकते हैं। समस्त पात्र कृषक वे निर्धारित तिथि तक आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन जिला कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन की प्रक्रिया, आवश्यक अर्हताएँ एवं अन्य जानकारी संबंधित विकासखंड / जिला कृषि कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। कृषकों से प्राप्त आवेदनों का सत्यापन संयुक्त संचालक कृषि द्वारा गठित विकासखंड स्तरीय छानबीन समिति द्वारा किया जाएगा। विकासखंड स्तरीय समिति कृषकों के प्रक्षेत्रों में जाकर आवेदन में उल्लेखित अधोसंरचना, कृषि आदान, सिंचाई संसाधन व अन्य जानकारी का प्रत्यक्ष निरीक्षण व अवलोकन सत्यापन उपरांत प्रतिवेदन जिला स्तरीय समिति को प्रस्तुत करेगी।

आयुक्त ने टीम के साथ किया जलभराव क्षेत्रों का निरीक्षण

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में हो रही लगातार भारी बारिश के मद्देनजर आम नागरिकों को त्वरित राहत पहुंचाने के लिए निगम प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय स्वयं अपनी तकनीकी और मैदानी टीम के साथ शहर के बड़े नालों और संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों का लगातार सघन निरीक्षण कर रहे हैं। जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यकतानुसार भारी मशीनरी और वृहत कार्यबल को मैदान में उतारा गया है।

आयुक्त के निर्देशानुसार सभी जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, स्वास्थ्य अधिकारी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी एवं उनकी आपातकालीन टीमें लगातार क्षेत्र में मौजूद हैं। जलभराव की किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए 24 घंटे मॉनिटरिंग की जा रही है, जिससे शहर के हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं।

भारी बारिश के कारण नदी-नालों में बहकर आए कचरे और लकड़ियों को हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है। कोसानाला, तेलहा नाला, इन्दु आई.टी. नाला सहित शहर की अन्य छोटी-बड़ी नालियों में फंसे मलबे, लकड़ियों और कचरे को जेसीबी मशीनों तथा अतिरिक्त सफ़ाई कर्मियों (मानवबल) के माध्यम से तत्काल साफ किया जा रहा है, ताकि पानी की निकासी बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से हो सके। सभी स्थानीय पार्षद अपने कार्यक्षेत्र में सक्रिय नजर आए, जिससे आपात स्थिति निर्मित न हो।

निगम प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी आपातकालीन स्थिति या जलभराव की सूचना तुरंत निगम के आपदा राहत प्रकोष्ठ या संबंधित जोन कार्यालय में दें, ताकि समय रहते त्वरित कार्रवाई की जा सके।

ग्राम कुथरेल में सामुदायिक मध्यस्थता अभियान की शुरुआत

ग्रामीणों को दिया गया विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA), नई दिल्ली द्वारा जारी "Community Mediation Towards a Litigation-Free Rural India" स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP), 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा ग्राम कुथरेल में सामुदायिक मध्यस्थता विषयक जागरूकता एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में न्यायालयीन वादों की संख्या में कमी लाते हुए स्थानीय स्तर पर आपसी संवाद एवं सहमति के माध्यम से विवादों का शांतिपूर्ण समाधान सुनिश्चित करना है।

कार्यक्रम में स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं), दुर्ग की अध्यक्ष सुषमा लकड़ा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर तथा वरिष्ठ न्यायालय प्रबंधक ने ग्राम पंचायत भवन में आयोजित बैठक में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, महिला समूहों, पैरालीगल वालंटियर्स (PLVs), युवाओं एवं गणमान्य नागरिकों से संवाद किया।

अपने संबोधन में स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं), दुर्ग की अध्यक्ष सुषमा लकड़ा ने कहा कि सामुदायिक मध्यस्थता न्यायालयीन प्रक्रिया का विकल्प नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने वाला एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि अधिकांश

स्थानीय विवाद संवाद, समझदारी एवं निष्पक्ष मध्यस्थता के माध्यम से प्रारंभिक स्तर पर ही समाप्त किए जा सकते हैं, जिससे समय, धन एवं श्रम की बचत होने के साथ-साथ पारिवारिक एवं सामाजिक संबंध भी सुरक्षित रहते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर ने ग्रामीणों को निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, विधिक साक्षरता कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि सामुदायिक मध्यस्थता कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम स्तर पर संवाद आधारित विवाद समाधान की संस्कृति विकसित करना तथा प्रत्येक नागरिक के लिए न्याय तक सरल एवं त्वरित पहुंच सुनिश्चित करना है।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा सामुदायिक मध्यस्थता कार्यक्रम के लिए जिले के चयनित ग्रामों में चरणबद्ध रूप से जागरूकता अभियान, प्रशिक्षण कार्यक्रम, मध्यस्थता उन्मुख कार्यशालाएं एवं जनसंवाद आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण स्वयं अपने छोटे-छोटे विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान करने के लिए प्रेरित हों। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने सामुदायिक मध्यस्थता की अवधारणा का स्वागत करते हुए इसे ग्राम स्तर पर शांति, सद्भाव एवं सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने वाली प्रभावी पहल बताया। ग्रामीणों ने भविष्य में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी, पैरालीगल वालंटियर्स, आंगनबाड़ी एवं मितानिन कार्यकर्ता, महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्याएं, युवा तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा आगामी दिनों में चयनित अन्य ग्रामों में भी इस प्रकार के संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि वाद-मुक्त ग्रामीण भारत की परिकल्पना को व्यवहारिक रूप से साकार करते हुए न्याय तक सरल पहुंच, सामाजिक समरसता एवं विवादों के वैकल्पिक समाधान की संस्कृति को व्यापक स्तर पर विकसित किया जा सके।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

त्वरित पुलिस सहायता और समय पर उपचार से मिली नई जिंदगी

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा आम नागरिकों को त्वरित आपातकालीन सहायता और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयास लगातार सकारात्मक परिणाम दे रहे हैं। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में डॉयल-112 पुलिस सेवा और जिला अस्पताल की तत्परता ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि समय पर समन्वित कार्रवाई किसी भी व्यक्ति के लिए जीवनदायिनी साबित हो सकती है। सर्पदंश की शिकार एक युवती को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार तड़के लगभग 3:45 बजे डॉयल-112 गौरेला फालकन-1 को ग्राम धनौली से एक युवती के सर्पदंश का सूचना मिली। सूचना मिलते ही डॉयल-112 टीम में तैनात आरक्षक वीरेंद्र गर्ग एवं चालक लुपेंद्र कुमार बिना किसी विलंब के घटनास्थल के लिए रवाना हो गए।

रायपुर नगर निगम के 10 नवनामांकित एल्डरमैनों का सदन में स्वागत

रायपुर। रायपुर नगर निगम की विशेष सम्मिलन बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा मनोनीत 10 नए एल्डरमैनों का निगम सदन में औपचारिक स्वागत किया गया। नगर निगम मुख्यालय महात्मा गांधी सदन के सामान्य सभा सभागार में आयोजित बैठक में महापौर मीनल चौबे, नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी और नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने नवनामांकित पार्षदों (एल्डरमैनों) को बुके भेंट कर आत्मीय स्वागत किया और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर निगम सदन में नव मनोनीत एल्डरमैन रामकिकर सिंह, विनय ओझा, मनीष करडमुजे, मित्रसेन धीमान, राजू राधवानी, गोपाल सोना, बी. श्रीनिवास राव, गोपी साहू, विक्रम सिंह ठाकुर और ऋषि साहू का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मौजूदगी रही।

छत्तीसगढ़ में सप्ताह में एक दिन 'नो बैग डे' लागू करने की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ उर्दू अकादमी के अध्यक्ष इदरीस गांधी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर राज्य के सभी शासकीय और निजी विद्यालयों में सप्ताह में एक दिन 'नो बैग डे' लागू करने की मांग की है।मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में इदरीस गांधी ने कहा है कि विद्यार्थियों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव को कम करने और उनके सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सप्ताह में एक दिन बिना स्कूल बैग के विद्यालय बुलाया जाए। इस दिन पारंपरिक कक्षाओं के स्थान पर जीवनोपयोगी और व्यवहारिक विषयों पर गतिविधि आधारित शिक्षण कराया जाए।उन्होंने सुझाव दिया है कि प्राथमिक उपचार, साइबर सुरक्षा, यातायात नियम, पर्यावरण संरक्षण, वित्तीय साक्षरता, योग, खेलकूद, स्थानीय कला, व्यक्तित्व विकास और कौशल आधारित प्रशिक्षण जैसी गतिविधियों को 'नो बैग डे' के दौरान शामिल किया जाए।इदरीस गांधी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि कर्नाटक सहित देश के कुछ राज्यों में गतिविधि-आधारित शिक्षण और 'नो बैग डे' जैसी पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उनका कहना है कि यदि छत्तीसगढ़ में भी यह व्यवस्था लागू होती है।

कच्चे घर से पक्के आशियाने तकः पीएम जनमन आवास योजना ने सरिता बैगा के जीवन में भरी खुशियों की नई रोशनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जब अंतिम व्यक्ति तक पहुँचता है, तब वह केवल एक योजना नहीं बल्कि किसी परिवार के जीवन में परिवर्तन की नई कहानी बन जाती है। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के गौरेला विकासखंड के ग्राम पंडरीपानी की सरिता बैगा का जीवन इसका प्रेरक उदाहरण है।

प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना और महतारी वंदन योजना के समन्वित लाभ से उनका परिवार आज सुरक्षित आवास, आर्थिक संबल और सम्मानजनक जीवन की नई राह पर आगे बढ़ रहा है। पहले सरिता बैगा का परिवार एक कच्चे मकान में रहता था। बरसात शुरू होते ही पूरे परिवार की चिंता बढ़ जाती थी। खपरैल की छत से पानी टपकता था, दीवारों में नमी भर जाती थी और हर वर्ष छत की मरम्मत तथा खपरैल बदलने पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ता था। छोटे बच्चों के साथ बारिश के दिनों में सुरक्षित रहना भी एक बड़ी चुनौती थी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप सरिता बैगा के परिवार को पीएम जनमन आवास योजना के तहत पक्का आवास स्वीकृत हुआ। ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत तथा ग्रामीण विकास विभाग के समन्वित प्रयासों से योजना का लाभ समय पर मिला और आज उनका परिवार एक मजबूत, सुरक्षित एवं सुविधायुक्त पक्के घर में रह रहा है। नए आवास ने केवल उनके रहने की व्यवस्था नहीं बदली, बल्कि पूरे परिवार के जीवन में आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना भी बढ़ाई है। अब बारिश का मौसम उनके लिए चिंता नहीं, बल्कि राहत और सुकून लेकर आता है। बच्चे सुरक्षित वातावरण में पढ़ाई कर रहे हैं और परिवार सम्मानपूर्वक अपना जीवन व्यतीत कर रहा है। सरिता बैगा को राज्य शासन की महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह मिलने वाली आर्थिक सहायता भी नियमित रूप से प्राप्त हो रही है। इस राशि से परिवार के दैनिक खर्चों, बच्चों की आवश्यकताओं और घरेलू जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रही है। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी सकारात्मक बदलाव आया है। सरिता बैगा बताती हैं कि पहले उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनका परिवार भी पक्के घर में रहेगा। आज शासन की योजनाओं ने उनके सपनों को साकार कर दिया है। वे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि सरकार की जनहितैषी योजनाओं ने उनके परिवार को सुरक्षित आवास, आर्थिक सहयोग और बेहतर भविष्य का विश्वास दिया है। ग्राम पंडरीपानी में पीएम जनमन आवास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में ग्रामीण विकास विभाग, जनपद पंचायत गौरेला, ग्राम पंचायत तथा संबंधित मैदानी अमले की सक्रिय भूमिका रही। योजनाओं के पारदर्शी और समयबद्ध क्रियान्वयन से पात्र हितग्राहियों को लाभ मिल रहा है।

जिससे विशेष पिछड़ी जनजातियों सहित ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रहा है। सरिता बैगा की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन केवल आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध नहीं कराता, बल्कि गरीब और वंचित परिवारों के जीवन में स्थायी परिवर्तन लाकर उन्हें सम्मान, सुरक्षा और विकास की नई दिशा भी प्रदान करता है।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की नई पहचान बना पीएचसी चेरपाल

NQAS मूल्यांकन में उत्कृष्ट प्रदर्शन, मरीजों को मिलेंगी और बेहतर सुविधाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीजापुर जिले का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चेरपाल अब गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की नई पहचान बन गया है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत हुए बाह्य मूल्यांकन में स्वास्थ्य केंद्र ने सफलतापूर्वक सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा कर जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह सफलता स्वास्थ्य विभाग की बेहतर कार्यप्रणाली, टीमवर्क और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं देने की प्रतिबद्धता का परिणाम है।

03 और 04 जुलाई 2026 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र , नई दिल्ली की विशेषज्ञ टीम ने PHC चेरपाल का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान सामान्य प्रशासन, ओपीडी, आईपीडी, प्रयोगशाला, लेबर रूम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संचालन, संक्रमण नियंत्रण, दवा प्रबंधन, स्वच्छता, मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं तथा अभिलेखों का गहन परीक्षण किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन तथा खंड चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में पूरी स्वास्थ्य टीम ने मूल्यांकन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारियों, चिकित्सा अधिकारियों, स्टाफ नर्सों, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (CHO), ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारियों, मितानिनों तथा अन्य कर्मचारियों ने समन्वित रूप से कार्य करते हुए मूल्यांकन दल को सभी आवश्यक जानकारी अभिलेख उपलब्ध कराए।

गुणवत्ता सुधार की दिशा में मजबूत पहल

स्वास्थ्य विभाग ने मूल्यांकन दल द्वारा दिए गए सुझावों को भी गंभीरता से लिया है। इन सुझावों के अनुरूप आवश्यक सुधार किए जाएंगे, ताकि स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को और अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

PHC चेरपाल की यह उपलब्धि केवल एक मूल्यांकन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा लाभ क्षेत्र के हजारों लोगों को मिलेगा। बेहतर व्यवस्थाओं, प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के कारण मरीजों का उपचार अधिक प्रभावी और सुविधाजनक होगा। इससे लोगों का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर विश्वास भी और मजबूत होगा।

गुणवत्ता आधारित स्वास्थ्य सेवाओं की ओर बढ़ता बीजापुर

PHC चेरपाल की सफलता यह साबित करती है कि समर्पित टीमवर्क, बेहतर प्रबंधन और निरंतर प्रयासों से दूरस्थ क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। यह उपलब्धि बीजापुर जिले में गुणवत्ता आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और भविष्य में अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के लिए भी प्रेरणा बनेगी।

नारायणपुर के एकलव्य रचेंगे नई दिल्ली में इतिहास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नारायणपुर जिले के सुदूर वनांचल में स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय छेरीबेड़ा के बच्चों ने वह कर दिखाया है, जिस पर आज पूरा छत्तीसगढ़ गर्व कर रहा है। राजस्थान के उदयपुर (खेरवाड़ा) में आयोजित आंचलिक (जोनल) स्तरीय राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता में इस विद्यालय की 53 सदस्यीय टीम ने न केवल राज्य का प्रतिनिधित्व किया, बल्कि अपने शानदार और दमदार प्रदर्शन से उपविजेता (रनर-अप) का खिताब भी अपने नाम कर लिया।

जोनल राष्ट्रीय युवा संसद के कड़े मुकाबले में मध्य प्रदेश की टीम पहले स्थान पर रही, लेकिन छत्तीसगढ़ के इन 'एकलव्यों' ने अपनी प्रतिभा से सबका दिल जीत लिया। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के दम पर विद्यालय के 8 होनहार छात्र-छात्राओं का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए हुआ है। अब ये बच्चे देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित संसद भवन का शैक्षणिक भ्रमण करेंगे और वहां लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर की कार्यवाही को अपनी आंखों से लाइव देखेंगे।

प्रतियोगिता में उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच कांटे की टक्कर थी। छत्तीसगढ़ की टीम से जिन 8 बच्चों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह पक्की की है। उनमें हर्षा ने प्रथम स्थान हासिल किया। इन्होंने 'स्पीकर' (लोकसभा अध्यक्ष) की बेहद चुनौतीपूर्ण भूमिका को इतनी कुशलता से निभाया कि प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया। मनसाय और अनुराधा दोनों ने अपने तर्कों और प्रभावशाली प्रस्तुति से उपविजेता का स्थान पाया। अंजीला, निकिता, वेदिका, जयबती और शामी इन पांचों विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया।

नारायणपुर जैसे पूर्व में नक्सल प्रभावित और आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के बच्चों के लिए संसद की कार्यवाही का हिस्सा बनना और फिर सीधे नई दिल्ली के संसद भवन तक का टिकट कटाना, उनके अदम्य साहस और आत्मविश्वास की कहानी बयां करता है। उनकी इस सफलता के पीछे गुरुओं का मंत्र और प्रशासनिक संबल बच्चों की इस अभूतपूर्व सफलता के पीछे उनके गुरुओं की कड़ी मेहनत और प्रशासन का मजबूत साथ रहा है। विद्यालय के प्राचार्य के कुशल नेतृत्व और कार्यक्रम प्रभारी व सामाजिक विज्ञान के शिक्षक के समर्पित प्रशिक्षण ने बच्चों में वह आत्मविश्वास फूंका, जिससे वे मंच पर बिना झिझक के दहाड़ सके।

विकास का नया सेतुः जब पिनगुंडा नाला पर बनी पुलिया ने बदली ओरछा की तकदीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अबूझमाड़ के दुर्गम अंचलों में जब मानसून दस्तक देता था, तो वह अपने साथ प्राकृतिक सुंदरता ही नहीं, बल्कि ओरछा क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों के लिए दुश्वारियों का दौर भी लेकर आता था। हर साल बारिश के चार महीने यहाँ के लोगों के लिए किसी परीक्षा से कम नहीं होते थे। लेकिन इस साल तस्वीर जुदा है। नारायणपुर के ओरछा क्षेत्र में पिनगुंडा नाला पर बनी नई बॉक्स पुलिया ने विकास की एक नई इबारत लिख दी है। यह पुलिया सिर्फ कंक्रीट का ढांचा नहीं, बल्कि क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए खुशहाली और कनेक्टिविटी का एक नया 'लाइफलाइन' बन चुकी है।

पल्ली-छोटेडोंगर-ओरछा मार्ग पर स्थित पिनगुंडा नाला सालों से नारायणपुर और ओरछा के बीच एक अभेद्य दीवार बना हुआ था। मानसून के आते ही नाला उफान पर आ जाता, जिससे तहसील मुख्यालय ओरछा सहित दर्जनों गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह कट जाता था। उफनते नाले के कारण एम्बुलेंस नहीं आ पाती थी और गंभीर मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुँच पाते थे। नदी-नाले पार करने के जोखिम के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई हफ्तों बाधित रहती थी। आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति ठप हो जाती थी और स्थानीय ग्रामीणों की कृषि उपज मंडियों तक नहीं पहुँच पाती थी। ग्रामीणों की इस दशकों पुरानी और बुनियादी समस्या को संवेदनशीलता से लेते हुए शासन द्वारा यहाँ एक सुदृढ़ पुलिया निर्माण की कार्ययोजना तैयार की गई। इस आधुनिक बॉक्स ब्रिज के बन जाने से बारिश के दिनों में भी नारायणपुर से ओरछा तक का मार्ग पूरी तरह निर्बाध और सुरक्षित हो गया है। घंटों का इंतजार और मीलों लंबा वैकल्पिक सफर अब गुजरे जमाने की बात हो गई है।

इस एकल परियोजना ने ओरछा क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। सुरक्षित और सुगम मार्ग मिलने से ग्रामीणों के ईंधन और कीमती समय, दोनों की बचत हो रही है। आपातकालीन चिकित्सा सेवाएँ अब बिना किसी रुकावट के सीधे गांवों तक पहुँच रही हैं। साथ ही शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन भी आसान हुआ है। इसके साथ ही कृषि उपजों और दैनिक उपभोग की वस्तुओं का परिवहन आसान होने से स्थानीय व्यापार को एक नई गति मिली है।

महिला मोर्चा का बूथ स्तर तक डिजिटल सशक्तिकरण अभियान प्रारंभ : रत्नावली कौशल

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में भाजपा डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम की कार्यशाला संपन्न, हर बूथ सखी बनेगी डिजिटल सखी

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष विभा अवस्थी के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय में डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम' की जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुई।कार्यक्रम का उद्देश्य महिला कार्यकर्ताओं को आधुनिक तकनीक से जोड़कर पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक ढांचे और केंद्र-राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को डिजिटल माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में जिला प्रभारी गीतांजलि पटनायक एवं जिला सहप्रभारी रत्नावली कौशल की विशेष रूप से उपस्थिति रही।

अपने संबोधन में जिला सह-प्रभारी एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने कहा कि प्रदेशाध्यक्ष विभा अवस्थी का स्पष्ट निर्देश है कि इस अभियान को सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के प्रत्येक मंडल,शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक पहुंचाया जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'डिजिटल इंडिया' के स्वप्न को साकार करने के लिए महिला मोर्चा की हर बहन को तकनीकी रूप से दक्ष होना आवश्यक है। जब हमारी बूथ सखी डिजिटल होगी,तभी सरकार की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी रूप से पहुंचेंगी।

कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष ज्योति पटेल ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्रशिक्षण आने वाले 2026 के नगरीय निकाय चुनाव एवं अन्य चुनावों में भाजपा की जीत की मजबूत नींव रखेगा।कार्यशाला में सभी पदाधिकारियों को भाजपा के आधिकारिक सरल ऐप के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान वीडियो लेक्चर, ई-सामग्री और लाइव डेमो के माध्यम से जानकारी दी गई। पाठ्यक्रम पूर्ण करने के उपरांत ऑनलाइन परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें सफल कार्यकर्ताओं को डिजिटल प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित पदाधिकारियों ने सामूहिक संकल्प लिया कि वे अपने-अपने मंडल में जाकर हर बूथ सखी को डिजिटल सखी बनाने का अभियान तीव्र गति से चलाएंगी। संभाग, जिला एवं विधानसभा स्तर पर नियुक्त महिला प्रभारियों के माध्यम से यह प्रशिक्षण आगे बूथ स्तर तक पहुंचाया जाएगा।

प्रमुख रूप से कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष वैजयंती लहरे,जिला उपाध्यक्ष चंद्रिका सिंह ठाकुर, महामंत्री रागिनी केसरवानी, शिवानी साहू, गणेशी चौहान,ज्योति श्रीवास, विमला कुर्रे,सरिता बंजारे, सुकृता कोसले,रामशिला साहू, पुष्पा साहू,नंदिनी साहू,सविता गढ़तिया, हेमंती भारती,सरिता जांगड़े सहित जिले के सभी मंडलों की महिला मोर्चा पदाधिकारी उपस्थित थी।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के तत्वावधान में रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट पर स्वास्थ्य कार्यशाला संपन्न

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने आधुनिक चिकित्सा तकनीक से कराया अवगत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज द्वारा कल शाम वी.आई.पी. चैक, जी.ई. रोड स्थित होटल बेबीलॉन कैपिटल में एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं गंभीर स्वास्थ्य जागरूकता संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला वर्तमान समय में घुटनों और जोड़ों की गंभीर समस्याओं और उनके आधुनिकतम उपचार रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट विषय पर केंद्रित थी।

कार्यक्रम में डॉ. पंकज धाबलिया रायपुर के एक अत्यंत प्रतिष्ठित और अनुभवी हड्डी रोग विशेषज्ञ, रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स, में ऑर्थोपेडिक्स, जॉइंट रिप्लेसमेंट और स्पोर्ट्स इंजरी विभाग के प्रमुख मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि एक आर्थोपेडिक सर्जन के रूप में हमारा काम सिर्फ हड्डियों को जोड़ना नहीं है, बल्कि

मरीज के जीवन की गतिशीलता को वापस लौटाना है। तकनीकी रूप से उन्नत होना जरूरी है, लेकिन उसके साथ ही मरीज के प्रति संवेदनशीलता और उसकी मानसिक स्थिति को समझना भी उतना ही आवश्यक है। आज की गतिहीन जीवनशैली हमारी हड्डियों को समय से पहले कमजोर कर रही है। दवाओं से ज्यादा जरूरी है कि आप अपनी दिनचर्या में शारीरिक सक्रियता और संतुलित आहार को शामिल करें। आपकी हड्डियों की मजबूती ही आपके बुढ़ापे का असली सहारा है।

इस गरिमामयी चिकित्सा संगोष्ठी में चेम्बर के समस्त शीर्ष पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक और व्यापारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम को मुख्य रूप से संबोधित करते हुए चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि व्यापार और उद्योग जगत के संचालन में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की भूमिका सर्वोपरि है। निरंतर व्यस्त दिनचर्या और अत्यधिक तनाव के कारण व्यापारी वर्ग अक्सर अपने स्वास्थ्य की अनदेखी करता है, जिसके परिणामस्वरूप जोड़ों का दर्द और गठिया जैसी बीमारियां असमय ही उन्हें अपनी चपेट में ले लेती हैं। उन्होंने रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स और डॉ. प्रतीक धाबलिया की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में रोबोटिक तकनीक जैसी विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता हमारे राज्य के लिए एक गौरव की बात है। ऐसी आधुनिकतम तकनीकों की सही जानकारी समाज के हर वर्ग तक पहुँचना अनिवार्य है, ताकि लोग बिना किसी भय के अपने पुराने और असहनीय दर्द से मुक्ति पा सकें और एक बेहतर एवं गतिशील जीवन जी सकें। चेम्बर संरक्षक एवं पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी ने कार्यशाला में उपस्थित प्रबुद्धजनों को संबोधित करते हुए कहा कि घुटनों के स्वास्थ्य पर आयोजित इस प्रेरणादायक कार्यशाला की सफलता के लिए चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी और उनकी पूरी टीम को विशेष रूप से धन्यवाद देता हुं जो लगातार अपने व्यापारिक और सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन प्रमुखता से कर रहा है। साथ ही राम कृष्ण केयर हॉस्पिटल के डॉक्टर विशेषज्ञों का मैं हृदय से आभार करता हूं। संगोष्ठी के मुख्य चरण में डॉ. प्रतीक धाबलिया (एम.एस.आर्थो एवं एमआरसीएस (लंदन) ने प्रोजेक्टर एवं अत्याधुनिक टम्स्रै रोबोटिक सिस्टम के प्रदर्शन के माध्यम से जोड़ों के प्रत्यारोपण की इस नई और क्रांतिकारी तकनीक की शत-प्रतिशत सटीकता और त्वरित रिकवरी के फायदों को समझाया।

डॉ. धबालिया ने बताया कि पारंपरिक सर्जरी की तुलना में रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट तकनीक मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इस तकनीक की मदद से सर्जन को सर्जरी के दौरान रियल-टाइम 3डी विजुअलाइजेशन मिलता है, जिससे इम्प्लांट (कृत्रिम जोड़) को बिल्कुल सही और प्राकृतिक जोड़ की तरह सटीक अलाइनमेंट के साथ फिट किया जा सकता है। इसमें मानवीय त्रुटि की गुंजाइश न के बराबर होती है।

पवन कल्याण की ओजी 2 में पूजा हेगड़े होंगी शामिल? लग सकता है बड़ा दांव

पवन कल्याण की फिल्म दे कॉल हिम ओजी पिछले साल सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। दर्शकों से मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद, निर्माताओं ने इसकी दूसरी कड़ी का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। हाल ही में, अभिनेता की टीम की तरफ से एक पोस्ट के जरिए सीक्वल पर अपडेट साझा किया गया था। अब खबर है कि इस एक्शन ड्रामा के दूसरे भाग में अभिनेत्री के तौर पर पूजा हेगड़े को शामिल किया जा सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ओजी 2 में पूजा को संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है। हालांकि निर्माताओं की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेजी से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। फिल्म की पहली कड़ी में प्रियंका मोहन ने मुख्य अभिनेत्री का किरदार निभाया था, लेकिन कहानी के बीच में उनकी मौत का दृश्य देखने को मिला था।

इसलिए, सीक्वल के लिए पूजा का नाम चर्चा में है। हाल ही में, निर्माताओं ने ओजी 2 का ऐलान करते हुए एक वीडियो साझा किया था। इसमें पवन के साथ निर्देशक सुजीत की पहली रचनात्मक बैठक को दिखाया गया था। वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा था, तूफान आने से पहले एक पल का मौन छा जाता है। गंभीरा की अनकही कहानी अब सामने आने के लिए तैयार है। साथ में ओजी यूनिवर्स लिखा था। इस ऐलान के बाद से फैंस परियोजना को लेकर बेहद उत्साहित चल रहे हैं।

विद्या बालन को कैसे मिली थी उनकी पहली फिल्म 'परिणीता' अभिनेत्री ने खुद बताया किस्सा

अभिनेत्री विद्या बालन की पहली बॉलीवड फिल्म 'परिणीता' थी। इस फिल्म से विद्या ने हिंदी सिनेमा में अपनी खास पहचान बनाई। जानिए कैसे मिला थी विद्या को यह फिल्म?

मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने अपनी पहली हिंदी फिल्म 'परिणीता' से लोगों का दिल जीत लिया था। लेकिन बॉलीवुड में कदम रखना उनके लिए आसान नहीं था।

'परिणीता' के लिए दिया था ऑडिशन

सिमी गरेवाल के टॉक शो में विद्या बालन ने उस पल को याद किया, जब उन्हें इस फिल्म 'परिणीता' के लिए चुना गया था। विद्या ने बताया कि वे इस फिल्म के लिए कई ऑडिशन दे चुकी थीं और उन्हें लगभग लग रहा था कि वे रिजेक्ट हो चुकी हैं।

कैसे मिली थी फिल्म 'परिणीता'

विद्या ने बताया, 'मैं मशहूर सिंगर एनरिक के एक कॉन्सर्ट में थी। मैंने अपना फोन बंद कर रखा था, ताकि कोई परेशान न करे। मेरे साथ मेरा एक दोस्त था, जो फिल्म के डायरेक्टर प्रदीप सरकार को जानता था। जब प्रदीप सरकार ने मेरे दोस्त को फोन किया और पूछा कि विद्या कहां है? तब मैंने फोन पर बात की, तो उन्होंने कहा कि फिल्म के प्रोड्यूसर विधु विनोद चोपड़ा मुझसे बात करना चाहते हैं।'

विद्या को लगा कि वे फोन पर प्यार से उन्हें यह कहेंगे कि 'तुम्हें यह रोल नहीं मिला'। लेकिन तभी विधु विनोद चोपड़ा ने उनसे कहा, 'विद्या बालन, तुम ही मेरी परिणीता हो। मैं बस तुम्हारा बेस्ट टेस्ट ले रहा था। मुझे तुम पर पूरा भरोसा है कि तुम हमारा नाम रोशन करोगी।'

किस पर आधारित थी फिल्म 'परिणीता'

फिल्म 'परिणीता' साल 1914 के एक मशहूर बंगाली उपन्यास 'परिणीता' पर बनी थी, जिसे शरत चंद्र चट्टोपाध्याय ने लिखा था। इस फिल्म से डायरेक्टर प्रदीप सरकार ने अपने करियर की शुरुआत की थी। विधु विनोद चोपड़ा की बनाई इस फिल्म में विद्या बालन के साथ सफ अली खान और संजय दत्त मुख्य किरदारों में थे। यह फिल्म 10 जून 2005 को रिलीज हुई थी।

राम चरण की फिल्म पेद्दी की ओटीटी रिलीज डेट आई सामने, 9 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर देगी दस्तक

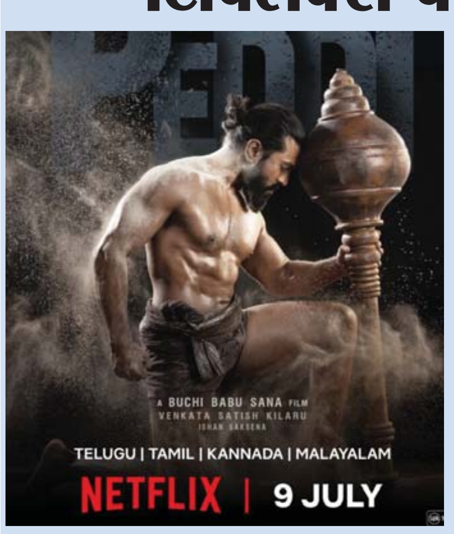

वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर तकरीबन 400 करोड़ रुपये कमाने वाली साउथ एक्टर राम चरण स्टारर स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म पेद्दी की ओटीटी स्ट्रीमिंग की ऑफिशियल डेट का एलान हो गया है। पेद्दी को बुची बाबू सना ने डायरेक्ट किया है और फिल्म में राम चरण अलग-अलग एथलीट अवतार में दिख रहे हैं। फिल्म में उनकी हीरोइन बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर हैं। चलिए अब जानते हैं फिल्म किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर किस तारीख को स्ट्रीम होने जा रही है। पेद्दी ओटीटी पर 5 भाषाओं तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में स्ट्रीम होने जा रही है। पेद्दी आगामी 9 जुलाई को अग्रणी ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। नेटफ्लिक्स ने अपने इंस्टाग्राम और एक्स हैंडल पर इसकी जानकारी दी है। नेटफ्लिक्स ने इस जानकारी को शेयर कर अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, खेल बदल सकता है, लेकिन चैंपियन वही रहता है। अब राम चरण के फैंस के लिए यह न्यूज किसी गुडन्यूज से कम नहीं है। अब साउथ स्टार के फैंस को 9 जुलाई का इंतजार बेसब्री से है।

पेद्दी में राम चरण लीड रोल में हैं। इनके अलावा फिल्म में शिव राजकुमार, दिव्येंदु, बोमन ईरानी, जगपति बाबू और तारक पोनप्पा सहित अन्य कलाकार भी हैं। फिल्म का म्यूजिक एआर रहमान ने तैयार किया है। जाह्नवी कपूर फिल्म की लीड एक्ट्रेस हैं, जबकि श्रुति हासन एक आइटम सॉन्ग में दिखाई दे रही हैं। फिल्म तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में स्ट्रीम होगी, जबकि हिंदी का प्रीमियर कथित तौर पर अगस्त में होगा।

पेड्डी राम चरण, जो एक दूर आदिवासी गांव में रहते हैं, जहां बुनियादी जरूरतें और अधिकारों और आधिकारिक सामाजिक पहचान से वंचित लोग रहते हैं। अपने लोगों का सम्मान हासिल करने और गांव के लिए एक वैध रेलवे स्टेशन बनवाने के लिए पेद्दी (राम चरण) एक संकल्प लेता है। इसके लिए वह अलग-अलग खेल में अपनी प्रतिभा दिखाता है।

बता दें, फिल्म में जाह्नवी कपूर द्वारा निभाए गए किरदार अचियम्मा के सीन को लेकर विवाद खड़ा हो गया था और कई दर्शकों को लगा कि उसे अत्यधिक कामुक तरीके से दिखाया गया है। विवाद बढने़ पर आखिर में डायरेक्टर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए माफी मांगी और विवादित सीन को फिल्म से डिलीट कर दिया।

इंटीमेट सीन सिर्फ काम का हिस्सा निजी जिंदगी से नहीं जोडऩा चाहिए: सिंपल कौल

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री सिंपल कौल अपने दमदार अभिनय के साथ-साथ बेबाक अंदाज के लिए भी पहचानी जाती हैं। शरारत, तारक मेहता का उल्टा चश्मा और कई लोकप्रिय टीवी शोज में अपनी अलग पहचान बना चुकीं सिंपल इस बार इंटीमेट सीन्स और रिश्तों को लेकर दिए गए अपने बयान की वजह से चर्चा में हैं। उन्होंने कहा कि किसी अभिनेता का स्क्रिप्ट की मांग पर किसिंग या इंटीमेट सीन करना सिर्फ उसके पेशे का हिस्सा है। इसे निजी जिंदगी या रिश्तों से जोड़कर नहीं देखना चाहिए।

सिंपल कौल ने कहा, अभिनय एक पेशा है और इस पेशे में कलाकारों को कहानी की जरूरत के अनुसार अलग-अलग तरह के किरदार निभाने पड़ते हैं। अगर किसी स्क्रिप्ट में किसिंग सीन या कोई अन्य इंटीमेट सीन जरूरी है, तो अभिनेता उसी के अनुसार अपना काम करते हैं। ऐसे सीन को निजी जिंदगी से जोडऩा सही नहीं है, क्योंकि कलाकार उस समय केवल अपने किरदार को निभा रहे होते हैं। दर्शकों को यह समझना चाहिए कि कैमरे के सामने जो दिखाई देता है, वह कहानी का हिस्सा होता है, न कि कलाकार की निजी जिंदगी। सिंपल कौल ने अपने निजी जीवन का उदाहरण देते हुए भी इस मुद्दे पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, अगर मेरे पति को किसी फिल्म या शो में ऐसे कोई सीन करना पड़े, तो मुझे इससे कोई परेशानी नहीं होगी। एक रिश्ते में सबसे जरूरी चीज भरोसा होता है। अगर दोनों लोगों के बीच विश्वास मजबूत है, तो ऐसे सीन्स से रिश्ते पर कोई असर नहीं पड़ता।

हालांकि, उन्होंने आगे कहा, पेशेवर काम और निजी रिश्तों के बीच बहुत बड़ा अंतर होता है। अगर कोई व्यक्ति अपने रिश्ते के बाहर किसी और के साथ संबंध बनाता है, तो वह पूरी तरह गलत है। काम के लिए कैमरे के सामने किया गया अभिनय और असल जिंदगी में किसी के साथ रिश्ता बनाना एक जैसा नहीं है। दोनों बातों की तुलना करना सही नहीं है।

सिंपल कौल ने कहा, चीटिंग का कोई दूसरा अर्थ नहीं होता। धोखा आखिर धोखा ही होता है। अगर दो लोग एक-दूसरे से सच्चा प्यार करते हैं, तो उन्हें अपने रिश्ते के प्रति पूरी ईमानदारी रखनी चाहिए। किसी भी मजबूत रिश्ते की नींव भरोसे पर टिकी होती है और जब यह भरोसा टूटता है, तो रिश्ता भी कमजोर पड़ जाता है।

उन्होंने आगे कहा, यदि किसी व्यक्ति के मन में किसी और के लिए आकर्षण पैदा होता है या रिश्ते में कोई परेशानी आती है, तो उसे छिपाने के बजाय अपने साथी से खुलकर बात करनी चाहिए। कई बार लोग सच बताने से बचते हैं, जिससे बाद में गलतफहमियां और बड़े विवाद पैदा होते हैं। इसलिए रिश्ते में बातचीत बनाए रखना और अपनी भावनाओं को ईमानदारी से साझा करना बेहद जरूरी है।

प्राणायाम को अपने रूटीन का बनाएं हिस्सा, मिलेंगे ये 5 स्वास्थ्य लाभ

प्राणायाम योग का एक अहम हिस्सा है, जो सांस की गति पर ध्यान केंद्रित करके शरीर और मन को संतुलित करता है। यह न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक सेहत के लिए भी फायदेमंद है। प्राणायाम के अलग-अलग तरीके जैसे अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी आदि का नियमित अभ्यास करने से शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है और तनाव कम होता है। आइए आज हम आपको प्राणायाम के अभ्यास से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताते हैं।

तनाव को कम करने में है सहायक

प्राणायाम का नियमित अभ्यास तनाव को कम करने में बहुत मदद कर सकता है। जब हम गहरी सांस लेते हैं तो हमारे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ जाती है, जो हमारे दिमाग को शांत और संतुलित रखती है। इसके अलावा यह हमारी मानसिक स्थिति को भी सुधारता है और हमें अधिक सकारात्मक महसूस कराता है। प्राणायाम से हमारा ध्यान केंद्रित होता है और हम अपनी चिंताओं से दूर रहते हैं, जिससे तनाव का स्तर कम होता है।

पाचन क्रिया को कर सकता है सुधार

प्राणायाम का नियमित अभ्यास पाचन क्रिया के लिए बहुत फायदेमंद होता है। गहरी सांस लेने से हमारे पेट में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, जो पाचन रसों के उत्पादन को बढ़ाती है और हमारी आंतों को स्वस्थ रखती है। इसके अलावा प्राणायाम से हमारी आंतों की मांसपेशियों में मजबूती आती है, जिससे खाना आसानी से पचता है। नियमित प्राणायाम से कब्ज, गैस जैसी समस्याओं से भी राहत मिलती है और हमारा पाचन तंत्र बेहतर तरीके से काम करता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने में है कारगर

प्राणायाम रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में भी मदद करता है। नियमित रूप से प्राणायाम करने से हमारे शरीर की रक्त संचार प्रणाली बेहतर होती है, जिससे पोषक तत्वों और ऑक्सीजन का वितरण पूरे शरीर में सही तरीके से होता है। इसके अलावा प्राणायाम से हमारी श्वसन प्रणाली भी मजबूत होती है, जिससे हम आसानी से सांस ले पाते हैं और हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होती है। इससे हमारा शरीर संक्रमण और बीमारियों से लडऩे में सक्षम बनता है।

नींद की गुणवत्ता हो सकती है सुधार

प्राणायाम नींद की गुणवत्ता सुधारने में भी मददगार साबित हो सकता है। रात को सोते समय अगर हम कुछ मिनट तक हल्की सांस लेते रहें तो हमारी नींद गहरी होती जाती है और सुबह ताजगी महसूस होती है। प्राणायाम से हमारा मन शांत होता है और हम बेहतर तरीके से आराम कर पाते हैं। इसके अलावा प्राणायाम से हमारी श्वसन प्रणाली भी मजबूत होती है, जिससे हम आसानी से सांस ले पाते हैं।

मानसिक एकाग्रता बढ़ाने में है मददगार

प्राणायाम मानसिक एकाग्रता बढ़ाने में भी सहायक है। जब हम गहरी सांस लेते हैं तो हमारा ध्यान केंद्रित होता है और हम अधिक प्रभावी ढंग से काम कर पाते हैं। प्राणायाम से हमारा मन शांत होता है और हम बेहतर तरीके से सोच पाते हैं। इन सभी लाभों के कारण प्राणायाम को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना बहुत जरूरी है ताकि हम स्वस्थ रह सकें।

खास खबर

सफलता की नई उड़ान : पारंपरिक मजबूरी से 'लखपति दीदी' बनने तक का सफर

रायपुर। मन में दृढ़ इच्छाशक्ति हो और सही मार्गदर्शन यदि मिल जाए, तो परिस्थितियां बदलते देर नहीं लगती। इसे सच कर दिखाया है नारायणपुर जिले के विकासखंड नारायणपुर अंतर्गत ग्राम भाटपाल की रहने वाली अनिता वड्डे ने। कभी आर्थिक तंगहाली और अनिश्चित भविष्य से जूझने वाली अनिता आज समाज में 'लखपति दीदी' के रूप में अपनी एक नई और सम्मानजनक पहचान बना चुकी हैं। कुछ समय पहले तक अनिता वड्डे के परिवार की आजीविका का मुख्य साधन बेहद सीमित खेती और अस्थायी मजदूरी थी। आमदनी इतनी कम थी कि घर की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना भी एक बड़ी चुनौती थी। भविष्य को लेकर हमेशा एक चिंता बनी रहती थी, लेकिन अनिता ने अपनी इस नियति को स्वीकार करने के बजाय आत्मनिर्भर बनने की ठानी।

सेजेस सिंगपुर में 7 जुलाई को मनेगा 'स्कूल तिहार'

धमतरी। जिले के सेजेस सिंगपुर में 7 जुलाई को शाला प्रवेशोत्सव को स्कूल तिहार' के रूप में उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। नए स्कूल प्रबंधन एवं विकास समिति ने पूर्व की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस बार कार्यक्रम को और भव्य बनाने का निर्णय लिया है। आयोजन में ग्राम रैली, सामूहिक भोज, मंचीय कार्यक्रम, स्मार्ट क्लास का लोकार्पण तथा विभिन्न समितियों का गठन प्रमुख आकर्षण रहेगा।एसएमडीसी अध्यक्ष डिगेंद्र निर्मलकर एवं ग्राम सरपंच लोमेश्वर साहू ने बताया कि सुबह 9 बजे सिंगपुर एवं आसपास के गांवों के पालक और विद्यार्थी विद्यालय परिसर में एकत्र होंगे। इसके बाद स्कूली बच्चे और अभिभावक पारंपरिक वेशभूषा में गाजे-बाजे के साथ पूरे गांव में रैली निकालकर लोगों को बच्चों का स्कूल में प्रवेश कराने और नियमित शिक्षा से जोड़ने का संदेश देंगे।

शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को मिले

कोरबा। जिला स्तरीय समन्वय समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में शासन प्रायोजित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत बैंकों में लंबित ऋण प्रकरणों, ऋण वितरण की प्रगति तथा वार्षिक लक्ष्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी बैंकर्स को शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाते हुए लंबित ऋण प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर दुदावत ने कहा कि शासन की विभिन्न स्वरोजगार एवं आजीविका उन्मुख योजनाओं के अंतर्गत बेरोजगार एवं इच्छुक युवाओं द्वारा प्रस्तुत ऋण आवेदनों का प्राथमिकता से परीक्षण कर अधिक से अधिक ऋण स्वीकृत किए जाएँ, ताकि युवा स्वरोजगार स्थापित कर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। उन्होंने बैंकर्स से अपनी कार्यप्रणाली को लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करने को कहा।

आईएफसी नर्सरी बनी किसानों की उम्मीद

गुणवत्तापूर्ण पौधों से बढ़ रही आय और आत्मनिर्भरता, नर्सरी से सशक्त हो रहे किसान और महिला समूह

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत जनपद पंचायत धमतरी द्वारा संचालित आईएफसी परियोजना ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन का प्रभावी मॉडल बनकर उभर रही है। सद्भावना महिला संकुल स्तरीय संगठन, दोनर के सहयोग से संचालित आजीविका सेवा केंद्र (नर्सरी इकाई) आज किसानों और महिला स्व-सहायता समूहों के लिए गुणवत्तापूर्ण पौधों का विश्वसनीय स्रोत बन चुकी है। इस पहल ने न केवल किसानों को समय पर स्वस्थ पौधे उपलब्ध कराए हैं, बल्कि वैज्ञानिक खेती, जैविक उत्पादन और महिला सशक्तिकरण को भी नई दिशा दी है।

पहले किसानों को सब्जी एवं फलदार पौधों के लिए दूर-दराज के बाजारों पर निर्भर रहना पड़ता था। कई बार समय पर पौधे उपलब्ध नहीं होने या निम्न गुणवत्ता के कारण उत्पादन प्रभावित होता था।

आईएफसी नर्सरी की स्थापना के बाद यह स्थिति बदली है। अब स्थानीय स्तर पर ही प्रमाणित एवं गुणवत्तापूर्ण पौधे तैयार कर किसानों तक समय पर पहुंचाए जा रहे हैं, जिससे खेती की लागत कम हुई है और उत्पादन की संभावनाएं बढ़ी हैं।

नर्सरी इकाई में टमाटर, मिर्च, बैंगन, फूलगोभी, करेला, मूनगा (सहजन), पपीता, कटहल, नारियल सहित विभिन्न सब्जी एवं फलदार पौधों की उन्नत पौध तैयार की जा रही है। इन पौधों का वितरण उत्पादक समूहों एवं क्लस्टरों के माध्यम से विभिन्न ग्रामों के किसानों तक किया जाता है। इससे क्लस्टर आधारित सब्जी उत्पादन को बढ़ावा मिला है और किसानों ने वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाना शुरू किया है।

इस पहल का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि नर्सरी का संचालन महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किया जा रहा है। इससे महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार, नियमित आय और उद्यमिता का अवसर प्राप्त हुआ है। समूह की महिलाएं पौध उत्पादन, देखरेख, विपणन और प्रबंधन जैसे कार्यों का सफलतापूर्वक संचालन कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं।

वर्तमान चरण में नर्सरी इकाई द्वारा 38,100 गुणवत्तापूर्ण पौधों का उत्पादन एवं वितरण किया गया है, जिससे ?1,15,150 की आय अर्जित हुई। यह उपलब्धि महिला स्व-सहायता समूहों, ग्राम संगठन, उत्पादक समूहों, आईएफसी एंकर तथा क्लस्टर टीम के समन्वित प्रयासों का परिणाम है।

इस पहल से किसानों को गुणवत्तापूर्ण पौधों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित होने के साथ-साथ जैविक खेती, पोषण वाटिका, फसल विविधीकरण तथा वैज्ञानिक खेती की अनुशंसित तकनीकों को भी बढ़ावा मिल रहा है। बेहतर गुणवत्ता के पौधों के कारण फसलों की वृद्धि, उत्पादन एवं आय में सकारात्मक सुधार देखने को मिल रहा है।

यह उल्लेखनीय पहल कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गजेंद्र सिंह ठाकुर, जिला परियोजना प्रबंधक (आजीविका) श्री अनुराग मिश्रा, जनपद पंचायत धमतरी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री वर्षा रानी चिकन्जूरी तथा ब्लॉक परियोजना प्रबंधक श्री प्रेमचंद सिन्हा के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है।

आईएफसी नर्सरी इकाई यह सिद्ध कर रही है कि यदि महिलाओं की सहभागिता, आधुनिक कृषि तकनीक और संस्थागत सहयोग का प्रभावी समन्वय हो, तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दी जा सकती है। धमतरी की यह पहल आज अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन रही है और ग्रामीण आजीविका, महिला सशक्तिकरण तथा किसानों की आय वृद्धि की दिशा में एक सफल शासकीय मॉडल के रूप में स्थापित हो रही है।

महिला स्व-सहायता समूहों के 'विष्णु भोग' चावल की खुशबू पहुंची पुलिस मुख्यालय तक

पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम को भेंट किया गया जीपीएम की विशिष्ट पहचान 'विष्णु भोग' चावल, महिलाओं के आत्मनिर्भरता मॉडल और स्थानीय उत्पाद की सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के प्रवास पर पहुंचे पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम का स्वागत स्थानीय पहचान और कृषि समृद्धि के प्रतीक 'विष्णु भोग' चावल से किया गया। कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने उन्हें जिले की विशिष्ट पहचान माने जाने वाले 'विष्णु भोग' चावल का पैकेट भेंट कर सम्मानित किया। यह चावल जिले में बिहान योजना के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किया जा रहा है, जो ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन का सफल उदाहरण बनकर उभरा है।

इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने पुलिस महानिदेशक को 'विष्णु भोग' चावल की विशेषताओं, उसकी गुणवत्ता तथा इसके उत्पादन और विपणन में महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह पहल न केवल स्थानीय कृषि उत्पादों को नई पहचान दिला रही है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उनकी आय में भी वृद्धि कर रही है।

पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि 'विष्णु भोग' चावल केवल एक कृषि उत्पाद नहीं, बल्कि महिलाओं की मेहनत, आत्मनिर्भरता और ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे नवाचार और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने से जिले की विशिष्ट पहचान राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित होती है तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिलती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महिला समूहों द्वारा गुणवत्ता और परंपरा के साथ तैयार किए जा रहे ऐसे उत्पाद भविष्य में प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर में अपनी अलग पहचान बनाएंगे।

स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन मिलने से किसानों और महिला समूहों को बेहतर बाजार उपलब्ध होगा, जिससे ग्रामीण विकास को भी गति मिलेगी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार खिलारी तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकेश रावटे सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मनरेगा के समन्वय से महासमुंद में जल संरक्षण को मिली नई दिशा

श्रीकंचनपथ समाचार

महासमुंद। जिले में भू-जल स्तर बढ़ाने और वर्षा जल के अधिकतम संरक्षण के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा 'मोर गांव मोर पानी अभियान 2.0' एवं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के प्रभावी समन्वय से व्यापक स्तर पर जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य किए गए हैं। इन प्रयासों से महासमुंद जिले में जल संरक्षण को नई दिशा मिली है।

जिला कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में जिले की सभी 551 ग्राम पंचायतों में जनभागीदारी के साथ भू-जल संवर्धन एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी गई। अभियान के तहत बोरी बंधान, डब्ल्यू.ए.टी., एस.सी.टी., प्रधानमंत्री आवासों में सोख्ता गड्ढे, 5 प्रतिशत मॉडल, ब्रश वुड जैसी लघु जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण कराया गया। वहीं मनरेगा के माध्यम से गेबियन, एल.बी.सी.डी., डाइक, आजीविका डबरी, नवा तरिया, जल अवशोषण खंती, सतत कंटूर ट्रेंच, कुएं निर्माण, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग एवं बोरवेल रिचार्ज जैसे कार्यों को प्राथमिकता से स्वीकृत एवं क्रियान्वित किया गया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हेमंत नंदनवार के मार्गदर्शन में एक ही वित्तीय वर्ष में 36 हजार जल अवशोषण खंतियां, 8,200 स्टैगर्ड ट्रेंच, 30 हजार सतत कंटूर ट्रेंच, 51 डाइक, 52 गेबियन, 800 आजीविका डबरी सहित विभिन्न जल संरक्षण कार्य पूर्ण किए गए।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से मिला समाधान, 85 वर्षीय जॉन क्रूज मिंज का वर्षों पुराना इंतजार हुआ खत्म

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान का भरोसेमंद माध्यम बन रही है। जशपुर जिले के ग्राम जोकबहला (ग्राम पंचायत नारायणपुर) निवासी 85 वर्षीय जॉन क्रूज़ मिंज की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान इसका प्रेरक उदाहरण है।

जॉन क्रूज़ मिंज लंबे समय से आधार कार्ड बनवाने का प्रयास कर रहे थे। कई बार आधार नामांकन केंद्र जाने के बावजूद फिंगरप्रिंट का मिलान नहीं होने तथा अन्य तकनीकी कारणों से उनका आवेदन निरस्त हो जाता था। आधार कार्ड नहीं होने के कारण उन्हें बैंकिंग सेवाओं, पेंशन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, आयुष्मान भारत सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। आखिरकार उन्होंने 19 जून को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित विभाग ने मामले को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक समन्वय किया और तकनीकी बाधाओं को दूर करने के लिए त्वरित कार्रवाई शुरू की।

विभाग की सक्रिय पहल का परिणाम यह रहा कि मात्र तीन दिनों के भीतर, 22 जून को जॉन क्रूज़ मिंज का आधार कार्ड सफलतापूर्वक बन गया। वर्षों से चली आ रही उनकी समस्या का समाधान होने पर उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, जिला प्रशासन तथा संबंधित अधिकारियों के प्रति हार्दिक आभार जताया।

जॉन क्रूज़ मिंज ने कहा कि आधार कार्ड नहीं होने के कारण उन्हें कई आवश्यक सेवाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी होती थी। अब आधार कार्ड मिलने के बाद वे बैंकिंग सेवाओं, पेंशन, राशन तथा आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

यह सफलता मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जनसमस्याओं के त्वरित, संवेदनशील और समयबद्ध निराकरण के प्रति शासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से वर्षों पुरानी समस्या का शीघ्र समाधान यह साबित करता है कि शासन और प्रशासन की सक्रिय कार्यप्रणाली से आम नागरिकों की समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर सहकारिता के भविष्य पर हुआ मंथन

विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने में सहकारिता की भूमिका पर हुई पैनल चर्चा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर राजधानी स्थित कृषि मंडपम, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, लाभांडी में सहकारिता क्षेत्र की चुनौतियों, उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं पर केंद्रित एक विशेष पैनल चर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में सहकारिता की भूमिका पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी केदारनाथ गुप्ता, मार्कफेड के प्राधिकृत अधिकारी शशिकांत द्विवेदी तथा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अंबिकापुर के अध्यक्ष रामकिशुन सिंह ने किया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के गठन के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में 29 जून से 6 जुलाई तक सहकारी सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में विगत 4 जून को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर यह विशेष आयोजन किया गया।

पैनल चर्चा में विकसित भारत-2047 के लिए सहकारिता क्षेत्र से अपेक्षाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने वनांचल क्षेत्रों में लघु वनोपज सहकारी समितियों की भूमिका, दुग्ध सहकारिता के विस्तार, महिला सशक्तिकरण में दुग्ध सहकारी संस्थाओं के योगदान, ग्रामीण रोजगार सृजन में मत्स्य सहकारी समितियों की भूमिका तथा नाबार्ड, अपेक्स बैंक और जिला सहकारी बैंकों की जिम्मेदारियों पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि सहकारिता ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, किसानों की आय बढ़ाने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने का प्रभावी माध्यम है। सहकारिता के माध्यम से विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को गति देने के लिए सभी संस्थाओं के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।

कार्यक्रम में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर के उपाध्यक्ष अभिनेष कश्यप, राज्य सहकारी संघ के अध्यक्ष सौरभ शर्मा, अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक एवं अपर आयुक्त के.एन. कांडे, मत्स्य विभाग के संचालक नाग, अपर आयुक्त मती सावित्री भगत, उपायुक्त मती किरण गुप्ता, संयुक्त आयुक्त बसंत कुमार, मुकेश ध्रुव, तिग्गा, बुनकर, गौरीशंकर शर्मा, उपायुक्त युगल किशोर तथा अपेक्स बैंक के डीजीएम भूपेश चंद्रवंशी सहित सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इसके अलावा अपेक्स बैंक, जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों, लघु वनोपज संघ, दुग्ध महासंघ, सहकारी शक्कर कारखानों, एनसीडीसी तथा विभिन्न सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के प्रतिनिधि और किसान उपस्थित रहे।

राजस्व प्रकरणों का करें समयबद्ध निराकरण-कलेक्टर

मोहला। कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने आज सुबह मोहला तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण कर राजस्व प्रकरणों, अभिलेखों के संधारण, कार्यालय व्यवस्था एवं आम नागरिकों को प्रदान की जा रही सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में दर्ज विभिन्न राजस्व प्रकरणों की जानकारी रीडर से प्राप्त की तथा मौजूद तहसीलदार व नायब तहसीलदार को सभी लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व प्रकरणों में अनावश्यक रूप से अधिक पेशी न लगाई जाएं तथा कम से कम पेशी में प्रकरणों का निराकरण किया जाए, जिससे आम नागरिकों और किसानों को बार-बार कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें।

धमधा में 267 महिला ग्राहकों से एक करोड़ 11 लाख का फ्रॉड, 24 घंटे में पकड़ाए आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के धमधा में सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक के माध्यम से महिलाओं को ऋण दिलाने की प्रक्रिया में 267 ग्राहकों की राशि का गबन कर धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार किए गए। आरोपियों द्वारा ग्राहकों से प्राप्त ऋण किस्त एवं लोन क्लोजर की कुल 1 करोड़ 11 लाख 93 हजार 173 रुपये की राशि कंपनी में जमा नहीं कर धोखाधड़ी की गई। प्रकरण में धारा 316(5), 318(4), 61(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई। घटना के संबंध में त्वरित विवेचना कर 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

एक दिन पहले शनिवार को प्रार्थी अशोक कुमार वर्मा द्वारा थाना धमधा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनकी संस्था सेव फाइनेंशियल मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड का सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के साथ अनुबंध है, जिसके माध्यम से महिलाओं को ऋण उपलब्ध कराया जाता है। ऑडिट के दौरान धमधा शाखा में पदस्थ शाखा प्रबंधक एवं कर्मचारियों द्वारा ग्राहकों से प्राप्त ऋण राशि, किस्त एवं लोन क्लोजर की राशि कंपनी में जमा नहीं किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई।

कंपनी द्वारा संबंधित कर्मचारियों को नोटिस जारी कर राशि जमा करने का अवसर दिया गया, किन्तु उनके द्वारा न तो राशि जमा की गई और न ही नोटिस का कोई उत्तर दिया गया। विस्तृत ऑडिट में पाया गया कि शाखा प्रबंधक एवं कर्मचारियों द्वारा आपराधिक षड्यंत्र के तहत कुल 267 ग्राहकों से प्राप्त 1,11,93,173 रुपये की राशि का गबन कर धोखाधड़ी की गई है।

शिकायत की जांच उपरांत थाना धमधा में धारा 316(5), 318(4), 61(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान गवाहों एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश कर अनिल विश्वकर्मा, उम्र 23 वर्ष, निवासी साजा, जिला बेमेतर व संदीप कुमार खूंटीहरे, उम्र 31 वर्ष, निवासी पाटन, जिला दुर्ग को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिन्होंने अपराध करना स्वीकार किया। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण के अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

उक्त कार्यवाही में थाना धमधा पुलिस की विवेचना टीम एवं प्रकरण की जांच में संलग्न पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी वित्तीय संस्था अथवा ऋण संबंधी लेन-देन में सभी भुगतान अधिकृत माध्यम से ही करें तथा किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता अथवा धोखाधड़ी की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। आर्थिक अपराध करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

खास खबर

सड़क पर क्रिकेट खेलने से मना करने पर मारपीट, केस

बिलासपुर। करबला रोड पर सड़क पर क्रिकेट खेल रहे युवकों को समझाइश देना एक पान व्यवसायी को भारी पड़ गया। युवकों ने क्रिकेट बैट से हमला कर व्यवसायी का चेहरा लहूलुहान कर दिया। कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। पुलिस के मुताबिक, टिकरापारा के खटिक मोहल्ला निवासी अंशु खटिक पान दुकान चलाता है। शुक्रवार रात करीब 12 बजे वह अपने दोस्त अप्पू और करण के साथ गोल बाजार से घर लौट रहा था। जब वह करबला स्थित संत रविदास चौक के पास पहुंचा, तो वहां कुछ लड़के सड़क पर क्रिकेट खेल रहे थे। इसी बीच एक गेंद अंशु को आकर लगी। अंशु ने जब युवकों को संभलकर खेलने की समझाइश दी, तो आरोपी अन्नू बक्सेरे और देव बक्सेरे ने मारपीट की।

ट्रेलर ने बाइक को 20 मीटर तक घसीटा, 2 युवकों की गई जान

रायगढ़। सड़क सुरक्षा के दावों के बीच रविवार सुबह रायगढ़-हमीरपुर मार्ग के बंगुरसिया अंधे मोड़ पर एक और जानलेवा हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रेलर ने एक बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक ट्रेलर (ओडी-16-सी-7859) के नीचे फंस गई और करीब 20 मीटर तक घिसटती चली गई। बाइक पर सवार तीन युवक भी ट्रेलर के साथ घिसट गए। इनमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ दिया। तीसरे युवक की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज से रायपुर रेफर किया गया है। तीनों युवक तमनार थाना क्षेत्र के मोहलाई गांव के रहने वाले हैं और एक ही बाइक से रायगढ़ शहर आ रहे थे। मृतकों की पहचान प्रकाश राठिया (20) और मुनावर राठिया (21) के रूप में हुई है। वहीं ज्ञानचंद राठिया (21) गंभीर रूप से घायल है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, ट्रेलर जब्त कर चालक के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी।

हाईवे पर खड़े 15 ट्रेलर जब्त चालक हुए गिरफ्तार

जांजगीर। राष्ट्रीय राजमार्गों पर बिना किसी इंडिकेटर या रिफ्लेक्टर के भारी वाहनों को खड़ा कर हादसों को न्योता देने वाले चालकों के खिलाफ पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। एसपी पाण्डेय के कड़े निर्देश पर जिले में तीन दिवसीय विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान नेशनल हाईवे पर लापरवाहीपूर्वक खड़े पाए गए 15 ट्रेलर वाहनों को जब्त किया है, वहीं उनके चालकों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया गया है। इन सभी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की नई धारा 285 के तहत अपराध दर्ज किया है। तीन थानों की पुलिस ने रातभर चलाया चेकिंग अभियान: अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) उदयन बेहार के नेतृत्व में यातायात पुलिस और स्थानीय थानों की टीमों ने अकलतरा, जांजगीर और चांपा थाना क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगातार तीन दिनों तक सघन जांच अभियान चलाया।

रायगढ़ रेलवे स्टेशन में पकड़ाया गांजा तस्कर, 4 लाख का माल जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में जीआरपी (शासकीय रेलवे पुलिस) ने गांजा तस्करी मामले का खुलासा करते हुए युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ओडिशा से गांजा लेकर महाराष्ट्र जा रहा था। ट्रेन आने से पहले ही मुखबिर की सूचना पर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 8.160 किलोग्राम गांजा जब्त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 4 लाख रुपए बताई जा रही है।

जीआरपी से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह थाना प्रभारी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि करीब 24-25 साल का युवक, सांवले रंग का, जींस पैंट और लाल रंग की हाफ टी-शर्ट पहने प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर महाराष्ट्र जाने वाली ट्रेन का इंतजार कर रहा है। उसके नीले रंग के पिट्ठू बैग में गांजा होने की सूचना मिली थी।

सूचना मिलते ही जीआरपी टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और बताए गए हुलिये के युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम बिनोद बाघ (27) निवासी बनबहाल, ओडिशा बताया। आरोपी के बैग की तलाशी लेने पर उसमें अलग-अलग पैकेटों में कुल 8.160 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 4 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने गांजा जब्त कर आरोपी को जीआरपी थाने लाया।

पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह ओडिशा से गांजा लेकर महाराष्ट्र जा रहा था। उसके पास से महाराष्ट्र के अकोला तक का रेल टिकट भी बरामद हुआ है। जीआरपी ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहले भी गांजा तस्करी में पकड़ा जा चुका है आरोपी

जीआरपी थाना प्रभारी बीआर बोर्झा ने बताया कि आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड खंगालने पर पता चला कि वह पहले भी गांजा तस्करी के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। जीआरपी लगातार नशा तस्करी और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों पर नजर रख रही है। आरोपी से पूछताछ जारी है और मामले की जांच की जा रही है।

ट्रेन से जेवर और नकद से भरा बैग पार

रायगढ़। मुंबई से पश्चिम बंगाल जा रही समरसता सुपरफास्ट एक्सप्रेस में सफर कर रहे एक यात्री का जेवर और नकदी से भरा बैग रायगढ़ स्टेशन से ट्रेन रवाना होने के बाद चोरी हो गया। शिकायत पहले पश्चिम बंगाल के शालीमार जीआरपी थाने में दर्ज की गई थी। वहां से अपराध डायरी मिलने के बाद रायगढ़ जीआरपी ने 4 जुलाई को भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(सी) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। जीआरपी के मुताबिक हुगली जिले के शेख अकरमुद्दीन 29 वर्ष 15 जनवरी को मुंबई से संतरागाछी जाने वाली ट्रेन के एस-2 कोच में आरएसी टिकट पर यात्रा कर रहे थे।

16 जनवरी की रात रायगढ़ स्टेशन से ट्रेन रवाना होने के बाद

उनका काला बैग गायब मिला। बैग में सोने की अंगूठियां, चेन, कंगन, नेकलेस और 13 हजार रुपए नकद थे। मामले की जांच जारी है।

रायगढ़ जीआरपी क्षेत्र में इस साल जनवरी से जून के बीच ट्रेनों में चोरी के 17 मामले दर्ज किए गए हैं। यानी औसतन हर 11 दिन में एक वारदात हुई। इनमें यात्रियों के बैग, जेवर, नकदी, मोबाइल और लैपटॉप चोरी होने की शिकायतें शामिल हैं। हालांकि अब तक एक भी मामले का खुलासा नहीं हो सका है और किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

तीरथगढ़ जलप्रपात में रेलिंग तोड़कर गिरी कार

रायपुर के 4 युवक घायल, अनियंत्रित होने से हादसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर के तीरथगढ़ जलप्रपात में कार अनियंत्रित होकर रेलिंग से टकराई और जलप्रपात के ऊपरी हिस्से में जाकर फंस गई। कार में सवार 4 युवक घायल हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को बाहर निकाला गया, जिन्हें एंबुलेंस की मदद से दरभा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

बताया जा रहा है कि सभी युवक रायपुर के रहने वाले हैं। मानसून में तीरथगढ़ जल प्रपात की सैर करने आए हुए थे। इसी बीच जल प्रपात के नजदीक ही उनकी कार अनियंत्रित होकर रेलिंग से टकरा गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे।

युवकों को सुरक्षित निकाला गया बाहर

पुलिस को खबर की गई। हादसे की सूचना मिलते ही दरभा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर तत्काल राहत कार्य शुरू किया। पुलिस और 108 की टीम ने कार में फंसे

चारों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाला और इलाज के लिए दरभा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा।

सभी घायल रायपुर क्षेत्र के निवासी

शुरुआती जानकारी के मुताबिक कार में सवार चारों युवक रायपुर क्षेत्र के रहने वाले हैं। डॉक्टरों के अनुसार सभी की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है। किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। हादसे के कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही होगी।

बिलासपुर में आकाशीय बिजली गिरने से किसान की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में रविवार दोपहर से देर रात तक रुक-रुककर तेज बारिश होती रही। बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई। वहीं, शहर के कई हिस्सों में जलभराव होने से लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि, मौसम में अचानक आए बदलाव से लोगों को उमस से राहत भी मिली।

शहर से लगे कोनी थाना क्षेत्र में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान गंभीर रूप से झुलस गया। उसे बचाने की कोशिश की गई, लेकिन उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रविवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे, जिससे उमस बढ़ गई थी। दोपहर बाद काले बादलों के साथ तेज बारिश शुरू हुई, जो शाम और रात तक रुक-रुककर जारी रही। लगातार बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जल निकासी व्यवस्था जवाब दे गई। नतीजतन सड़कों पर पानी भर गया और लोगों को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। निचले इलाकों और प्रमुख मार्गों पर भी जलभराव की स्थिति देखने को मिली।

पुलिस के मुताबिक, ग्राम निरतू निवासी धरमदास यादव (65) पेशे से किसान था। रविवार सुबह करीब 9 बजे अरपा नदी किनारे स्थित अपने खेत में धान की रोपाई करने गया था। दोपहर करीब 2.30 बजे अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। इस दौरान आसमान में तेज गर्जना होने के साथ ही बिजली चमकने लगी।

बारिश से बचने मरघट तरफ दौड़ा, तभी गिरी गाज

इस दौरान बारिश से बचने के लिए किसान खेत के पास मरघट तरफ छांव की तलाश में दौड़ा, तभी आसमान में जोरदार गर्जना हुई। इसी दौरान गाज गिरने से वो चपेट में आ गए। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

लोगों ने परिजन और पुलिस को दी जानकारी

इस घटना के समय आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें खेत में गिरा देखा, जिसके बाद रिश्तेदारों को सूचना दी।

बाद में कोनी थाना पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

80 चाकूबाज, गुंडे-बदमाशों की क्लासः आदतन अपराधियों-नशेड़ियों के ठिकानों पर छापेमारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में चाकूबाजी, मारपीट, नशे और असामाजिक गतिविधियों पर नकेल कसने पुलिस ने रविवार को एक साथ छापेमारी की। इस दौरान 80 संदिग्ध एवं आदतन अपराधियों को हिरासत में लेकर उनका सत्यापन किया गया। जिसके बाद उन्हें पुलिस लाइन लाकर अपराध छोड़ने की सख्त नसीहत दी गई।

अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने निगरानी बदमाशों, गुंडा सूची में दर्ज व्यक्तियों, चाकूबाजी के आरोपियों सहित अन्य आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के घरों पर पहुंचकर उनकी मौजूदगी, गतिविधियों और वर्तमान स्थिति का सत्यापन किया। कई लोगों से उनके भविष्य की गतिविधियों को लेकर पूछताछ की गई, वहीं पुराने मामलों की भी समीक्षा की गई।

इसके बाद सभी चिन्हित लोगों को पुलिस लाइन लाया गया, जहां अधिकारियों

ने उन्हें स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में संलिप्त पाए गए तो उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अभियान का सबसे अलग पहलू यह रहा कि पुलिस ने केवल कानूनी कार्रवाई तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि अपराधियों और नशे के आदी लोगों की काउंसलिंग भी की। अधिकारियों ने उन्हें समझाया कि नशा और अपराध दोनों उनके परिवार और भविष्य को बर्बाद कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कि यदि वे अपराध और नशे से दूर रहने का संकल्प लेते हैं तो पुलिस भी उन्हें मुख्यधारा में लौटने में हरसंभव सहयोग करेगी। साथ ही यह भी कहा गया कि यदि कहीं सूखा नशा, मादक पदार्थों का कारोबार या कोई व्यक्ति चाकू लेकर घूमता दिखाई दे तो उसकी तत्काल सूचना पुलिस को दें।

अभियान के दौरान पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों से करीब आधा दर्जन लोगों को अवैध धारदार हथियारों के साथ गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से चाकू एवं अन्य धारदार हथियार बरामद किए गए हैं। इनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। इसके अलावा कई निगरानी बदमाशों और आदतन अपराधियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई, ताकि भविष्य में वे कानून-व्यवस्था के लिए खतरा न बन सकें।

पुलिस अधिकारियों ने अभियान के दौरान सभी चिन्हित बदमाशों और चाकूबाजों को स्पष्ट चेतावनी दी कि मारपीट, गुंडागर्दी, अवैध हथियार रखने, लोगों में दहशत फैलाने या किसी भी आपराधिक गतिविधि में दोबारा शामिल होने पर केवल एफआईआर ही नहीं, बल्कि जिलाबदर कार्रवाई और अन्य कठोर कानूनी प्रावधानों का भी इस्तेमाल किया जाएगा। यह विशेष अभियान एसएसपी रजनेश सिंह के निर्देशन में चलाया गया, जिसमें शहर के सभी थाना प्रभारियों, सीएसपी, एएसपी के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल ने एक साथ कार्रवाई की। रविवार की सुबह अचानक विभिन्न इलाकों में पुलिस वाहनों की आवाजाही और दबिश से अपराधियों में हड़कंप मच गया।

एडिशनल एसपी सिटी पंकज पटेल ने बताया कि विशेष अभियान के दौरान करीब 80 संदिग्ध एवं आदतन अपराधियों का सत्यापन किया गया। जांच के बाद कई निगरानी बदमाशों और चाकूबाजों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई, जबकि कुछ लोगों को अवैध चाकू के साथ पकड़े जाने पर उनके विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर हथियार लेकर घूमने वालों, नशे और गुंडागर्दी के जरिए दहशत फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

नाम परिवर्तन

मैं हेमंत कुमार ढिन्ढे आत्मज दीपक कुमार ढिन्ढे पता शास्त्री नगर कैंप 1 सुपेला भिलाई तह व जिला दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड 490023 का निवासी हूँ। जो कि निम्न शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मैं कि उपरोक्त पते पर निवास करता हूँ। मैं अपनी नाबालिग पुत्री जिवांशी ढिन्ढे का नाम बदलकर अक्षिता (AKSHITA) करवाना चाहता हूँ। मैं अपनी पुत्री का नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता हूँ तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूँगा। मेरी पत्नी रीना ढिन्ढे (RINA DHINDHE) को हमारी नाबालिग पुत्री के नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है। मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूँ तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता

नाम परिवर्तन

मैं हेमंत कुमार ढिन्ढे आत्मज दीपक कुमार ढिन्ढे पता शास्त्री नगर कैंप 1 सुपेला भिलाई तह व जिला दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड 490023 का निवासी हूँ। जो कि निम्न शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मैं उपरोक्त पते पर निवास करता हूँ। मैं अपने नाबालिग पुत्र ओमकृष ढिन्ढे का नाम बदलकर हर्ष ढिन्ढे (HARSH DHIN-NDHE) करवाना चाहता हूँ। मैं अपने पुत्र का नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता हूँ तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूँगा। मेरी पत्नी रीना ढिन्ढे (RINA DHINDHE) को हमारे नाबालिग पुत्र के नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है। मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूँ तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष स्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता

वाहन ने बुजुर्ग को कुचलकर 10 मीटर तक घसीटा

जांजगीर। बिर्रा में रविवार सुबह तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे 60 वर्षीय छत्तू पटेल को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन उन्हें करीब 10 मीटर तक घसीटता ले गया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। घटना शनिवार करीब 9 बजे बिर्रा बस स्टैंड-केरा मार्ग पर हनुमान मंदिर के सामने हुई। मृतक छत्तू पटेल (60), पिता भोकोलोलो पटेल, दीवान मोहल्ला निवासी थे। वे घर से किसी काम से बस स्टैंड की ओर पैदल जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। आक्रोशित लोगों ने शव को सड़क पर रखकर दो स्थानों पर चक्काजाम कर दिया।

चिंतन शिविर 3.0 से विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण को मिलेगी नई दिशा : मुख्यमंत्री

- चिंतन शिविर से निकले विचार बन रहे सुशासन और विकसित छत्तीसगढ़ की आधारशिला
- सुशासन, तकनीक, कृषि, पर्यटन और विकासपरक राजनीति पर हुआ गहन मंथन
- पिछले चिंतन शिविरों से मिले सुझावों के आधार पर ई-ऑफिस, सीएम हेल्पलाइन 1076 और सेवा सेतु जैसे नवाचार हुए लागू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दीर्घकालिक रणनीति, सुशासन को और अधिक प्रभावी बनाने तथा भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप प्रशासनिक क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से सुशासन एवं अभिसरण विभाग तथा भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 'चिंतन शिविर 3.0' का सफलतापूर्वक समापन हुआ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, मंत्रिपरिषद के सदस्यों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों तथा देश के प्रतिष्ठित नीति विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और विषय विशेषज्ञों ने शासन, विकास और जनसेवा के विभिन्न आयामों पर व्यापक विचार-विमर्श किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि चिंतन शिविर अब केवल विचारों के आदान-प्रदान का मंच नहीं रह गया है, बल्कि शासन व्यवस्था में ठोस सुधारों का प्रभावी माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आधुनिक, पारदर्शी, तकनीक-संचालित और नागरिकों की आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील प्रशासन विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि चिंतन शिविर 3.0 से प्राप्त सुझाव विकसित छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा को नई दिशा देंगे तथा इन्हें शीघ्र ही नीतिगत एवं प्रशासनिक पहलों के रूप में लागू किया जाएगा।

दूसरे दिन आयोजित 'सतत समृद्धि के इंजन के रूप में पर्यटन' विषयक सत्र में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एवं पर्यटन नीति विशेषज्ञ सुमन बिल्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक, जनजातीय और सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में देश का अग्रणी हाई-वैल्यू, लो-इम्पैक्ट पर्यटन गंतव्य बनने की अपार क्षमता रखता है। उन्होंने पर्यटन अवसंरचना, सामुदायिक भागीदारी, निवेश, उत्तरदायी पर्यटन और सुशासन आधारित पर्यटन मॉडल पर बल दिया।

उन्होंने विशेष रूप से कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के बेहतर समन्वय से छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर क्षेत्र, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान बना सकता है। राज्य की औद्योगिक नीति भी पर्यटन निवेश को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। 'सबका प्रयास के माध्यम से विकासपरक राजनीति' विषय पर लोकसभा सदस्य शशांक मणि त्रिपाठी ने कहा कि जिला ही विकास का वास्तविक केंद्र **(District is the Fulcrum of Growth)** होना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक जिले के लिए विकासोन्मुख योजना, स्थानीय आर्थिक क्षमता के अनुरूप विकास रणनीति तथा जिला-स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद आधारित नियोजन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने 'अमृत प्रयास', 'बनयान रिवोल्यूशन' और सहभागी शासन की अवधारणा प्रस्तुत करते हुए कहा कि जिला-केंद्रित विकास मॉडल उद्यमिता, रोजगार, कृषि परिवर्तन, स्थानीय नवाचार और जन-क्षमता के विकास को नई गति देगा तथा विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 क्षेत्रों के लिए परिवर्तनकारी सिद्ध होगा। समापन सत्र में डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन, प्रभावी नीति-क्रियान्वयन, नेतृत्व विकास तथा लोक प्रशासन के विभिन्न आयामों पर अपने विचार रखे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पिछले दो चिंतन शिविरों में प्राप्त सुझावों को राज्य सरकार ने सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया है। मंत्रालय में ई-ऑफिस प्रणाली लागू होने से फाइलों के निपटारे की प्रक्रिया अधिक तेज, पारदर्शी और समयबद्ध हुई है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित समाधान की प्रभावी व्यवस्था स्थापित हुई है, वहीं सेवा सेतु के माध्यम से 36 विभागों की 520 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराकर नागरिक सेवाओं को सरल, सुगम और पारदर्शी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि यही इस चिंतन प्रक्रिया की सबसे बड़ी सफलता है कि विचार अब धरातल पर परिणाम के रूप में दिखाई दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि दो दिवसीय शिविर में नेतृत्व विकास, सुशासन, उभरती प्रौद्योगिकियां, पर्यटन, कृषि समृद्धि तथा विकासपरक राजनीति जैसे विषयों पर विस्तृत सत्र आयोजित किए गए। उद्घाटन सत्र में प्रसिद्ध आध्यात्मिक चिंतक गौर गोपाल दास ने जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व, भावनात्मक संतुलन, जनसेवा तथा नैतिक उत्तरदायित्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संवेदनशील और मूल्य-आधारित नेतृत्व ही प्रभावी एवं जनोन्मुखी सुशासन की आधारशिला है।

'इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज़' विषय पर नीति आयोग के सदस्य प्रो. अभय करंदीकर ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, 5जी, ड्रोन, जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी, ब्लॉकचेन तथा डेटा-आधारित प्रशासन की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तकनीक के माध्यम से शासन को अधिक दक्ष, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाया जा सकता है। साथ ही डिजिटल समावेशन, नवाचार, रोजगार सृजन और सेवा वितरण में छत्तीसगढ़ के लिए उपलब्ध व्यापक अवसरों का भी उल्लेख किया।

'कृषि से समृद्धि' विषयक सत्र में कृषि अर्थशास्त्री डॉ. रमेश चंद तथा कृषि विशेषज्ञ टी. विजय कुमार ने प्राकृतिक खेती, जलवायु-अनुकूल कृषि, फसल विविधीकरण, मूल्य संवर्धन, आधुनिक तकनीक और बेहतर बाजार संपर्क पर आधारित कृषि मॉडल प्रस्तुत किए। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा कृषि को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए।

चिंतन शिविर में मंत्रिगणों ने समूह आधारित विचार-मंथन के माध्यम से विभिन्न सुझावों पर विस्तार से चर्चा कर विकसित छत्तीसगढ़ की संभावना को मूर्त रूप देने हेतु विचार किया। दो दिवसीय चिंतन शिविर 3.0 ने सुशासन, नेतृत्व विकास, उभरती प्रौद्योगिकियों, कृषि, पर्यटन तथा विकासपरक राजनीति जैसे विविध विषयों पर राज्य सरकार के दीर्घकालिक विज़न को नई दिशा प्रदान की।

विशेषज्ञों के अनुभव, मंत्रिपरिषद के मंथन और प्रशासनिक नेतृत्व के सामूहिक विचारों से प्राप्त सुझाव आने वाले समय में राज्य की नीतियों, प्रशासनिक सुधारों और विकास कार्यक्रमों का आधार बनेंगे। विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय संकल्प के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में यह चिंतन शिविर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री साय ने महिला स्व-सहायता समूह को किया सम्मानित

सहकार प्रेरणा सम्मान से नवाजी गईं महिलाएं, 36 लाख रुपये के औषधीय उत्पादों का किया विक्रय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए जशपुर जिले के वन धन विकास केंद्र, पंचक्की से जुड़े महिला स्व-सहायता समूह को 'सहकार प्रेरणा सम्मान' से सम्मानित किया। यह सम्मान भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मंडपम में आयोजित राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन एवं सहकारी सप्ताह कार्यक्रम में प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर के वन धन विकास केंद्र पंचक्की के अनंत स्व-सहायता समूह को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सहकार प्रेरणा पुरस्कार एवं लाभांश राशि प्रदान कर सम्मानित किया। यह समूह वन विभाग के अंतर्गत संचालित वन धन विकास केंद्र से जुड़ा है।

अनंत स्व-सहायता समूह की 10 महिलाएं सामूहिक रूप से च्यवनप्राश सहित विभिन्न औषधीय उत्पादों का निर्माण करती हैं। समूह द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की आपूर्ति आयुष विभाग सहित अन्य संस्थानों एवं उपभोक्ताओं को की जाती है। वर्ष 2024-25 के दौरान समूह ने लगभग 36 लाख रुपये के उत्पादों का विक्रय कर महिला स्वावलंबन और ग्रामीण उद्यमिता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गठित सहकारिता मंत्रालय ने देश में श्सहकार से समृद्धिश् के लक्ष्य को नई गति दी है। राज्य सरकार सहकारिता के माध्यम से किसानों, वनवासियों, महिला स्व-सहायता समूहों और ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार कृषि के साथ-साथ पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, वनोपज, मत्स्य पालन और ग्रामीण उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में भी सहकारिता को मजबूती प्रदान कर रही है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के सहयोग से प्रदेश में दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 29 जून से 6 जुलाई तक प्रदेश में सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में कोई भी पंचायत सहकारिता से वंचित न रहे, इसके लिए अब तक 1352 नई सहकारी समितियों का गठन किया जा चुका है।

सुशासन से संवरी चरवाहे की जिंदगीः बालमुकुंद के परिवार को मिला सरकारी योजनाओं का चैतरफा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कहते हैं कि अगर सरकार की नीतियां सही और योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर हो, तो उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक जरूर पहुँचता है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण जिले के ग्राम सोहपुर में देखने को मिला है।

यहाँ के निवासी और पेशे से चरवाहा बालमुकुंद यादव, जो रोजाना मवेशी चराने का कार्य करते हैं, आज शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं ने उनके परिवार के जीवन की राह को आसान और सुरक्षित बना दिया है।

बालमुकुंद यादव के परिवार को छत्तीसगढ़ शासन और केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ मिल रहा है, जिसने उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर दिया है। कच्चे मकान की चिंता को दूर करते हुए बालमुकुंद के परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास मिला है, जिससे अब उनका परिवार सुरक्षित छत के नीचे सम्मानजनक जीवन जी रहा है। उनके घर की रीढ़ यानी उनकी माता जी और पत्नी को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रति माह सीधे बैंक खाते में राशि प्राप्त हो रही है। इससे घर की महिलाओं को छोटे-मोटे खर्चों के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। चूंकि बालमुकुंद भूमिहीन हैं, इसलिए दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत उनके परिवार को प्रतिवर्ष 10,000 रूपए की आर्थिक सहायता मिल रही है, जो जरूरत के समय उनके लिए बड़ा सहारा बनती है। अपनी इस अपार खुशी को साझा करते हुए बालमुकुंद यादव भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि हम जैसे गरीब परिवारों के लिए पक्का मकान और हर महीने निश्चित आमदनी का होना एक सपने जैसा था। लेकिन सरकार ने हमारी सुध ली। अब हमारी माता और पत्नी के खाते में पैसे आते हैं और सालाना मिलने वाली सहायता से जरूरत के समय में बड़ी मदद हो जाती है। बालमुकुंद ने इन सभी लोक-कल्याणकारी योजनाओं के सुचारू संचालन के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति सहृदय आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री साय ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने श्भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), नवा रायपुर में आयोजित चिंतन शिविर 3.0 के दूसरे दिन एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया। इस अवसर पर मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सामाजिक संवेदनाओं को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने प्रदेशवासियों से इस अभियान से जुड़कर पौधारोपण करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हरित एवं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए जनभागीदारी आधारित पर्यावरण संरक्षण अभियानों को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है।

सीड ड्रिल तकनीक और सरकारी योजनाओं से बदली किसान भूपेश की तकदीर

बालोद। शासन की किसान हितैषी योजनाओं और आधुनिक कृषि तकनीकों के मेल ने राज्य के अन्नदाताओं के जीवन में समृद्धि का एक नया अध्याय लिखना शुरू कर दिया है। बालोद जिले के ग्राम सोंहपुर के किसान भूपेश कुमार साहू ने पारंपरिक खेती को छोड़कर आधुनिकता का रास्ता अपनाया और आज वे अन्य किसानों के लिए एक प्रेरणास्रोत बन चुके हैं। पारंपरिक रूप से धान की छिड़काव पद्धति से बुवाई करते थे, जिसमें बीज और लागत दोनों अधिक लगती थी। लेकिन पिछले चार वर्षों से उन्होंने कृषि विभाग के मार्गदर्शन में सीड ड्रिल मशीन के माध्यम से धान की बुवाई शुरू की।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से अनीता चौधरी बनीं ऊर्जादाता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ आम नागरिकों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रही है।

केंद्र एवं राज्य सरकार की संयुक्त पहल से संचालित इस योजना का लाभ लेकर सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत कंठी की निवासी अनीता चौधरी अब केवल बिजली की उपभोक्ता नहीं, बल्कि सौर ऊर्जा का उत्पादन कर ऊर्जादाता बन गई हैं। अनीता चौधरी ने बताया कि पहले हर माह बढ़ते बिजली बिल का भुगतान उनके परिवार के लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन जाता था। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत उन्होंने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफ्टॉप सोलर संयंत्र स्थापित कराया। इसके बाद उनके घर की बिजली आवश्यकता सौर ऊर्जा से पूरी होने लगी और उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया।

उन्होंने बताया कि घरेलू उपयोग के बाद बची अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजी जा रही है, जिससे उन्हें अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो रहा है। इस योजना से उनके परिवार का मासिक खर्च कम हुआ है और बिजली बिल की चिंता पूरी तरह समाप्त हो गई है। चौधरी ने बताया कि सोलर संयंत्र स्थापना के लिए उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार से संयुक्त रूप से लगभग 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। इस डबल सब्सिडी के कारण सोलर संयंत्र लगाना आसान और किफायती हो गया है। उन्होंने कहा कि अब सामान्य परिवार भी बिना अधिक आर्थिक बोझ के स्वच्छ एवं अक्षय ऊर्जा को अपना सकते हैं। उन्होंने जिले के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोग प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेकर अपने घरों की छत पर सोलर संयंत्र स्थापित करें। इससे न केवल बिजली बिल में स्थायी बचत होगी, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

अनीता चौधरी ने योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल आम नागरिकों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे परिवारों को आर्थिक राहत मिलने के साथ-साथ हरित एवं सतत भविष्य की मजबूत नींव भी तैयार हो रही है।

मुख्यमंत्री की विशेष पहल पर प्रदेश में पर्याप्त रासायनिक खाद उपलब्ध

किसानों को नहीं होगी डीएपी की कमी, माह जुलाई में 46,500 टन डीएपी सप्लाई की आपूर्ति प्राप्त

पिछले साल की तुलना में भंडारण 1.08 लाख मीट्रिक टन अधिक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को समय पर कृषि आदान उपलब्ध कराने के अपने संकल्प पर लगातार प्रभावी ढंग से कार्य कर रही है। खरीफवर्ष 2026 के लिए 30 जून तक की स्थिति में 13 लाख 16 हजार 506 मीट्रिक टन उर्वरकों का भण्डारण किया जा चुका है। यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की पहल पर छत्तीसगढ़ को माह जुलाई में 46,500 टन डीएपी सप्लाई की आपूर्ति प्राप्त हुई है, जो सामान्य से अधिक है।

इससे अब किसानों के लिए पर्याप्त डीएपी उपलब्ध हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि अब तक भंडारित कुल रासायनिक खाद पिछले साल इसी अवधि में भंडारित रासायनिक खाद की तुलना में 1.08 लाख मीट्रिक टन अधिक है।

वहीं प्रदेश में रासायनिक उर्वरकों के भण्डारण और वितरण की स्थिति यह दर्शाती है कि सरकार ने खेती के मौसम से पहले ही किसानों की जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने की मजबूत व्यवस्था सुनिश्चित की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद उपलब्ध कराना केवल कृषि उत्पादन बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि किसान परिवारों की समृद्धि और प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बता दें कि केन्द्र सरकार ने छत्तीसगढ़ के लिए खरीफ वर्ष 2026 में 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इसके विरुद्ध 30 जून की स्थिति में 13 लाख 16 हजार 506 मीट्रिक टन उर्वरकों का भण्डारण किया जा चुका है। इनमें यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी तथा एसएसपी जैसे सभी प्रमुख उर्वरक शामिल हैं। यह स्थिति इस बात का प्रमाण है कि किसानों को बुआई के दौरान खाद की उपलब्धता में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए सरकार ने पहले से व्यापक तैयारी की है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के किसानों को अभी तक 7 लाख 27 हजार 833 मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किया जा चुका है। यह वितरण किसानों की वास्तविक मांग के अनुरूप लगातार किया जा रहा है। साथ ही प्रदेश में 5 लाख 88 हजार 673 मीट्रिक टन उर्वरकों का शेष भण्डार उपलब्ध है, जिससे आगामी दिनों में भी किसानों को निर्बाध रूप से खाद उपलब्ध कराई जा सकेगी।

यदि गत वर्ष की समान अवधि से तुलना करें तो इस वर्ष की उपलब्धियां और भी उत्साहजनक हैं। 30 जून 2025 तक प्रदेश में 12 लाख 25 हजार 929 मीट्रिक टन उर्वरकों का भण्डारण हुआ था, जबकि इस वर्ष यह बढ़कर 13 लाख 16 हजार 506 मीट्रिक टन हो गया है। अर्थात लगभग 90 हजार 577 मीट्रिक टन अधिक खाद का भण्डारण सुनिश्चित किया गया है।

इसी प्रकार, गत वर्ष 30 जून तक 7 लाख 66 हजार 161 मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किया गया था। इस वर्ष अब तक लगभग 7.28 लाख मीट्रिक टन खाद किसानों तक पहुंच चुकी है। प्रदेश में वर्तमान में उपलब्ध 5.88 लाख मीट्रिक टन से अधिक का शेष भण्डार आगामी मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है और यह सरकार की दूरदर्शी योजना एवं मजबूत आपूर्ति प्रबंधन का परिचायक है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के किसी भी किसान को खाद के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। यही कारण है कि राज्य सरकार खाद की उपलब्धता, भण्डारण, परिवहन एवं वितरण की सतत निगरानी कर रही है, जिससे खरीफसीजन में किसानों को समय पर आवश्यक उर्वरक उपलब्ध हो रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950